सूर्योदय : 06.26 बजे
सूर्यास्त : 05.34 बजे
सोमवार, 05 दिसंबर 2022
वर्ष-2-अंक 335
मूल्य 2 पृष्ठ 8
e-mail: aknewstv2@gmail.com
RNI TITLE CODE : UPHIN49345

हिन्दी दैनिक
अमर ख्याल
जुनून सच का
(महमूदाबाद) सीतापुर से प्रकाशित

आज होगी जी20 को अंतिम रूप देने के लिए सर्वदलीय बैठक

■ नई दिल्ली

केंद्र सरकार अगले साल सितंबर में भारत की मेजबानी में होने वाले जी20 शिखर सम्मेलन के लिए सुझाव मांगने, रणनीतियों पर चर्चा करने और अंतिम रूप देने के लिए सोमवार को सर्वदलीय बैठक बुलाएगी। करीब 40 दलों के अध्यक्षों को बैठक में आमंत्रित किया गया है। राष्ट्रपति भवन में होने वाली इस बैठक में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी मौजूद रहेंगे। विदेश मंत्री एस. जयशंकर के भी बैठक में शामिल होने की संभावना है। भारत ने एक दिसंबर को आधिकारिक रूप से जी20 की अध्यक्षता ग्रहण की है। भारत द्वारा इस महीने से हैदराबाद समेत देश के विभिन्न स्थानों पर 200 से अधिक जी20 बैठकों की मेजबानी किए जाने की उम्मीद है। अगले साल नौ और 10 सितंबर को नई दिल्ली में जी20 नेताओं का राष्ट्र प्रमुख या सरकार प्रमुख स्तर का शिखर सम्मेलन होना है। इससे पहले देश के विभिन्न हिस्सों में जी20 की कई बैठकें आयोजित की जाएंगी। पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री और तृणमूल कांग्रेस अध्यक्ष ममता बनर्जी सोमवार को दिल्ली पहुंचेंगी।

शिंदे, फडणवीस ने समृद्धि एक्सप्रेसवे के नागपुर-शिरडी मार्ग का दौरा किया

एजेंसी ■ नागपुर/जालना

महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे और उपमुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस ने मुंबई-नागपुर समृद्धि एक्सप्रेसवे के नव निर्मित पहले चरण के निरीक्षण के लिए नागपुर और शिरडी शहरों के बीच रविवार को टेस्ट ड्राइव ली। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी 11 दिसंबर को इसका उद्घाटन करेंगे।

इस यात्रा के दौरान कांग्रेस कार्यकर्ताओं ने विभिन्न मुद्दों के खिलाफ प्रदर्शन करते हुए जालना शहर में शिंदे और फडणवीस को काले झंडे दिखाए।

इन मुद्दों में किसानों के लंबित बिलों के कारण बिजली के कनेक्शन काटना और छत्रपति शिवाजी महाराज पर राज्यपाल भगत सिंह कोश्यारी द्वारा हाल में दिए गए बयान शामिल हैं।जिला सूचना कार्यालय ने बताया कि चार पहिया वाहन में सवार होकर दोनों नेताओं ने नागपुर में दोपहर 12 बजकर 45 मिनट पर समृद्धि एक्सप्रेसवे के जीरो प्वाइंट से अपने काफिले के साथ शिरडी की ओर यात्रा शुरू की।

फडणवीस चालक की सीट पर बैठे थे जबकि शिंदे उनकी बगल वाली सीट पर बैठे थे। उनके साथ महाराष्ट्र राज्य सड़क विकास निगम (एमएसआरडीसी) के प्रबंध निदेशक राधेश्याम मोपालवर और कुछ अधिकारी थे।

एमसीडी चुनाव में 50 प्रतिशत मतदान

● साल 2017 में हुए निकाय चुनाव में भाजपा ने कुल 270 वार्ड में से 181 में जीत हासिल की थी। प्रत्याशियों के निधन के कारण दो सीट पर मतदान नहीं हो सका था। 'आप' ने 48 और कांग्रेस ने 27 वार्ड में जीत दर्ज की थी। 2017 में 53 फीसद मतदान हुआ था।

मतगणना सात दिसंबर को होगी

■ नई दिल्ली

दिल्ली में नगर निगम चुनाव के लिए रविवार को शाम साढ़े पांच बजे तक लगभग 50 प्रतिशत मतदान दर्ज किया गया। दिल्ली में सभी वार्ड में शाम साढ़े पांच बजे तक लगभग 50 प्रतिशत मतदान दर्ज किया गया। हालांकि अपराह्न 12.30 बजे तक 18 फीसद मतदान हुआ था, जबकि अपराह्न 2.30 बजे तक 30 प्रतिशत मतदान दर्ज किया गया था। शाम चार बजे तक 45 प्रतिशत से अधिक मतदान हुआ था।वर्ष 2017 के पिछले नगर निगम चुनावों में 53 प्रतिशत मतदान दर्ज किया गया था।मतगणना सात दिसंबर को होगी।

इस चुनाव में मुख्य तौर पर भाजपा,आप और कांग्रेस के बीच त्रिकोणीय मुकाबला है।दिल्ली नगर निगम (एमसीडी) चुनाव में 1.45 करोड़ से अधिक मतदाता अपने मताधिकार का उपयोग करने के पात्र हैं। कुल।,349 उम्मीदवार चुनाव मैदान में हैं। राज्य निर्वाचन आयोग के अधिकारियों द्वारा साझा किए गए आंकड़ों के अनुसार, दिल्ली में मतदाताओं की कुल संख्या।,45,05,358 हैं, जिनमें 78,93,418 पुरुष, 66,10,879 महिलाएं और।,061 ट्रांसजेंडर व्यक्ति हैं। मतों की गिनती सात दिसंबर को होगी।अधिकारियों ने मतदान के लिए दिल्ली में 13,638 मतदान केंद्र स्थापित किए हैं।अधिकारियों द्वारा साझा किए गए आंकड़ों के अनुसार 493 स्थानों पर 3,360 बूथ संवेदनशील के रूप में चिह्नित किए गए हैं। निर्वाचन अधिकारियों ने कहा कि मतदाताओं के गुणवत्तापूर्ण अनुभव के लिए दिल्ली में सभी विधानसभा क्षेत्रों को कवर करने वाले 68 मॉडल मतदान केंद्र और इतने ही पिंक मतदान केंद्र स्थापित किए गए थे।

प्रधानमंत्री मोदी सोमवार को भाजपा की महत्वपूर्ण बैठक का उद्घाटन करेंगे

नई दिल्ली। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी सोमवार को भाजपा के राष्ट्रीय पदाधिकारियों की दो दिवसीय बैठक का उद्घाटन करेंगे। इसमें कुछ राज्यों के आगामी विधानसभा चुनावों और 2024 में लोकसभा चुनाव को लेकर तैयारी के मद्देनजर पार्टी के राजनीतिक एजेंडे को रखा जाएगा। पार्टी ने एक बयान में कहा कि मोदी गुजरात विधानसभा चुनाव में मतदान करने के बाद राष्ट्रीय राजधानी पहुंचेंगे और देश भर से पार्टी के वरिष्ठ संगठनात्मक नेताओं की बैठक का उद्घाटन करेंगे तथा उसे संबोधित करेंगे। परिपाटी के अनुसार राष्ट्रीय पदाधिकारियों के अलावा, पार्टी की प्रदेश इकाइयों के अध्यक्ष और महासचिव (संगठन) भी बैठक में भाग लेंगे।बयान में कहा गया है कि भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष जे पी नड्डा की अध्यक्षता में होने वाली इस बैठक में पार्टी की भविष्य की रणनीति पर विचार-विमर्श किया जाएगा, राज्य विधानसभा चुनावों के अगले दौर के लिए तैयारियों का जायजा लिया जाएगा तथा विभिन्न संगठनात्मक गतिविधियों की समीक्षा की जाएगी।

उदयपुर में जी 20 शेरपाओं की बैठक हुई, हरित विकास पर हुई चर्चा

■ उदयपुर

भारत की जी20 अध्यक्षता के तहत पहली बैठक रविवार को यहां शुरू हुई, जिसमें देश को अगले साल सितंबर में नई दिल्ली में होने वाली समूह के नेताओं की बैठक से पहले विकासशील देशों का एजेंडा आगे रखने का अवसर मिलेगा।

बैठक में भारत के शेरपा अमिताभ कांत ने समावेशी, जुझारू और टिकाऊ विकास का मार्ग निर्धारित करने, बेहतर आजीविका निर्माण की गति बढ़ाने और कोविड-19 से उबरते हुए स्वास्थ्य सुविधाओं में सुधार एवं जीवन की गुणवत्ता जैसे विषयों को आगे रखकर बैठक की रूपरेखा प्रस्तुत की। कांत ने बैठक में टिकाऊविकास लक्ष्यों (एसडीजी) पर एक सह-आयोजन को संबोधित करते हुए कहा, हम बड़े भूराजनीतिक संकट से गुजर रहे हैं। हमने वैश्विक आपूर्ति श्रृंखलाओं को टूटते, देशों पर कर्ज बढ़ते और जलवायु कार्वाई एवं जलवायु वित्तपोषण संबंधी बड़े संकट देखे हैं।

इससे पहले संवाददाताओं के साथ अनौपचारिक बातचीत में कांत ने कहा कि जी20 की अध्यक्षता ने भारत को बहुपक्षीय मंच के एजेंडे में विकासशील देशों के मुद्दों को शामिल करने का अवसर दिया है।

उन्होंने कहा, पहले हमें एजेंडा के विषय विकसित देशों से मिलते थे। अब, हम जी20 की बैठक का एजेंडा तय करने जा रहे हैं। हम दुनिया को बताएंगे कि हम लोकतंत्र की जननी हैं।

धार्मिक स्वतंत्रता में लोगों के धर्मांरण का अधिकार शामिल नहीं

एजेंसी ■ नई दिल्ली

गुजरात सरकार ने उच्चतम न्यायालय में कहा है कि धार्मिक स्वतंत्रता के अधिकार में दूसरों का धर्मांतरण कराने का अधिकार शामिल नहीं है। सरकार ने शीर्ष अदालत से राज्य के एक कानून के प्रावधान पर उच्च न्यायालय के स्थगन को रद्द करने का अनुरोध किया। इस कानून के तहत विवाह के माध्यम से धर्मांतरण के लिए जिला मजिस्ट्रेट की पूर्व अनुमति आवश्यक है। गुजरात उच्च न्यायालय ने 19 अगस्त और 26 अगस्त 2021 के अपने आदेशों के माध्यम से राज्य सरकार के धार्मिक स्वतंत्रता अधिनियम, 2003 की धारा 5 के क्रियान्वयन पर रोक लगा दी थी।

वकील अश्विनी उपाध्याय द्वारा दायर जनहित याचिका के जवाब में दाखिल अपने हलफनामे में राज्य सरकार ने कहा कि उसने एक आवेदन दाखिल कर उच्च न्यायालय के स्थगन को खारिज करने का अनुरोध किया है।

हलफनामे में कहा गया, धार्मिक स्वतंत्रता के अधिकार में दूसरों का धर्म बदलने का मौलिक अधिकार शामिल नहीं है। कथित अधिकार में किसी का धोखाधड़ी, छल, बलपूर्वक, प्रलोभन या अन्य तरीकों से धर्मांतरण करना शामिल नहीं है। राज्य सरकार ने कहा कि मप्र धर्म स्वातंत्र्य अधिनियम, 1968 और उड़ीसा धार्मिक स्वतंत्रता अधिनियम, 1967 की संवैधानिकता को 1977 में एक संविधान पीठ के समक्ष चुनौती दी थी।

मैनपुरी और रामपुर-खतौली सीटों पर उपचुनाव आज

लखनऊ। उत्तर प्रदेश की मैनपुरी लोकसभा और रामपुर तथा खतौली विधानसभा सीटों के उपचुनाव के लिए सोमवार को मतदान होगा। इन उपचुनावों में सत्तारूढ़ भाजपा और सपा एवं रालोद के गठबंधन के बीच सीधा मुकाबला है। बहुजन समाज पार्टी और कांग्रेस ने इन उपचुनाव में अपने उम्मीदवार नहीं उतारे हैं। राज्य निर्वाचन कार्यालय से मिली जानकारी के मुताबिक उपचुनाव के लिए मतदान सुबह सात बजे शुरू होगा जो शाम छह बजे तक चलेगा और परिणामों की घोषणा आगामी आठ दिसंबर को की जाएगी। इन उपचुनाव में कुल 24 लाख 43 हजार मतदाता अपने मताधिकार का प्रयोग कर सकेंगे।

दूसरा चरण | गुजरात विधानसभा

गुजरात विधानसभा चुनाव के दूसरे चरण में आज 93 सीटों के लिए मतदान

■ अहमदाबाद

गुजरात विधानसभा चुनाव के दूसरे चरण में सोमवार को 14 मध्य और उत्तरी जिलों की 93 सीट पर मतदान होगा। साल 2017 के विधानसभा चुनाव में सत्तारूढ़ भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) ने इनमें से 51 सीट जीती थी। कांग्रेस ने 39, जबकि तीन सीट पर निर्दलीय उम्मीदवारों ने जीत हासिल की थी। मध्य गुजरात में भाजपा ने 37 सीट जीती थी। कांग्रेस को 22 सीट मिली थी। लेकिन उत्तर गुजरात में, कांग्रेस ने 17 सीट पर जीत हासिल की थी, जबकि भाजपा को 14 सीट मिली थी। दूसरे चरण के लिए चुनाव प्रचार शनिवार शाम को समाप्त हो गया था।

सौराष्ट्र, कच्छ और दक्षिण गुजरात क्षेत्रों की 89 सीट पर पहले चरण में एक दिसंबर को मतदान हुआ था। पहले चरण में औसत मतदान 63.31 प्रतिशत दर्ज किया गया था।

गुजरात विधानसभा में कुल 182 सीट हैं।दूसरे चरण में जिन शेष 93 सीट पर मतदान होगा, उसके लिए 61 राजनीतिक दलों के 833 उम्मीदवार मैदान में हैं। राज्य चुनाव निकाय के अनुसार, उम्मीदवारों में 285 निर्दलीय भी शामिल हैं।

भाजपा और अरविंद केजरीवाल के नेतृत्व वाली आप सभी 93 सीट पर चुनाव लड़ रही है। कांग्रेस 90 सीट पर चुनाव लड़ रही है और उसकी सहयोगी राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी (एनसीपी) ने दो सीट पर उम्मीदवार उतारे हैं।

आकाश प्रणाली का सीलबंद विवरण एमएसक्यूएए को सौंपा

नई दिल्ली। डीआरडीओ ने आकाश हथियार प्रणाली (भारतीय सेना संस्करण) के तकनीकी विनिर्देश व गुणवत्ता दस्तावेज समेत सीलबंद विवरण (एएचएसपी) को प्रक्षेपास्त्र प्रणाली गुणवत्ता आश्वासन एजेंसी (एमएसक्यूएए) से संबंधित प्राधिकरण को सौंप दिया है, जिससे इसके उत्पादन का रास्ता साफ हो गया है।

रक्षा मंत्रालय ने कहा कि विवरण एएचएसपी सौंपा गया।एएचएसपी हस्तांतरण के हिस्से के रूप में तकनीकी विनिर्देश व गुणवत्ता दस्तावेज एवं पूर्ण हथियार प्रणाली घटकों की ड्राइंग को प्रोजेक्ट आकाश द्वारा एमएसक्यूएए को सौंपा गया।

महिलाओं को टिकट देना इस्लाम के खिलाफ : शाही इमाम

■ अहमदाबाद

अहमदाबाद में जामा मस्जिद के शाही इमाम शब्बीर अहमद सिद्दीकी ने रविवार को कहा कि चुनावों में महिलाओं को टिकट देना इस्लाम के खिलाफ विद्रोह है तथा यह धर्म को कमजोर करता है। गुजरात विधानसभा चुनाव के लिए दूसरे तथा अंतिम चरण के मतदान की पूर्व संध्या पर यहां पत्रकारों से बातचीत में शाही इमाम शब्बीर अहमद सिद्दीकी ने कहा कि महिलाओं को नमाज पढ़ने की अनुमति नहीं है क्योंकि इस्लाम में उनकी एक निश्चित जगह है।उन्होंने कहा, अगर आप इस्लाम की बात करते हैं...क्या आपने एक भी महिला को नमाज पढ़ते हुए देखा? इस्लाम में नमाज का बहुत बड़ा महत्व है। अगर इस्लाम में महिलाओं का लोगों के सामने आना उचित होता तो क्या उन्हें मस्जिद में प्रवेश करने से रोका जाता। शाही इमाम ने कहा, महिलाओं को मस्जिदों में जाने से रोका जाता है क्योंकि उनकी इस्लाम में एक निश्चित जगह है। जो भी पार्टी मुस्लिम महिलाओं को टिकट देती है तो यह इस्लाम के खिलाफ विद्रोह है।

मां हीराबा से मिले प्रधानमंत्री मोदीः साथ में चाय भी पी; आज करेंगे मतदान

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी रविवार को एक बार फिर गुजरात पहुंचे। वे अहमदाबाद एयरपोर्ट से सीधे मां हीराबा से मिलने गांधीनगर पहुंचे। मां के पैर छूकर आशीर्वाद लिया और साथ में चाय भी पी। इससे पहले अगस्त और जून में भी मोदी मां से मिलने आए थे। आधे घंटे की मुलाकात के बाद प्रधानमंत्री पार्टी ऑफिस 'कमलम' के लिए निकल गए।

हवाई जहाज से, हेलीकॉप्टर से, गाड़ियों से ये चीजें दिखती नहीं हैं : राहुल गांधी

■ झालावाड़

कांग्रेस नेता राहुल गांधी ने रविवार को कहा कि भारत जोड़ो यात्रा से बहुत सीखने को मिल रहा है और हवाई जहाज, हेलीकॉप्टर तथा वाहनों में यात्रा करते ये चीजें नहीं दिखती हैं। राहुल ने कहा, यात्रा से सीखने को बहुत मिल रहा है.. गाड़ी में, हवाई जहाज में, हेलीकॉप्टर में ए बातें समझ में नहीं आती.. हेलीकॉप्टर से दूर से दिखता है.. किसानों के फटे हुए हाथों से हाथ मिलाने के बाद बात समझ में आती है कि किसान क्या कर रहा है। उन्होंने कहा, मजदूरों के बच्चों को सुबह कांपते हुए देखकर समझ आती है.. हिन्दुस्तान में क्या हो रहा है.. हवाई जहाज से, हेलीकॉप्टर से, गाड़ियों से यह चीजें दिखती नहीं है।

मध्यप्रदेश से राजस्थान में प्रवेश करने वाले गांधी ने कहा कि यात्रा में उन्हें बहुत कुछ सीखने को मिल रहा है। उन्होंने कहा, हवाई जहाज, हेलीकॉप्टर या वाहन में यात्रा करते समय इन बातों को नहीं समझा जा सकता है। किसानों से हाथ मिलाने के बाद ही समझ में आता है कि किसान क्या कर रहे हैं। यह हेलीकॉप्टर से नहीं देखा जाता है।

उन्होंने केंद्र सरकार पर निशाना साधते हुए कहा कि सिर्फ तीन चार उद्योगपतियों को फायदा पहुंचाया जा रहा है जो देशहित में नहीं है।

उन्होंने कहा, पूरा देश बेरोजगारी में डूबा है.. महंगाई बढ़ती जा रही है और पूरा का पूरा फायदा और पूरा का पूरा धन तीन-चार उद्योगपतियों के हाथों में जा रहा है।

कांग्रेस नेता ने कहा कि उनके दिल में भाजपा और संघ के लोगों से कोई नफरत नहीं है, लेकिन वह उन्हें देश में नफरत नहीं फैलाने देंगे।

जरा हट के... बग्गा

विश्लेषण | अहमदाबाद की 16 सीटों पर भाजपा को कांग्रेस, आप, एआईएमआईएम से मिल रही चुनौती

भाजपा के लिए क्यों महत्वपूर्ण हैं अहमदाबाद की 16 सीटें...

■ अहमदाबाद

गुजरात विधानसभा चुनाव के दूसरे चरण में अहमदाबाद शहर की जिन 16 सीट पर सोमवार को मतदान होना है, वे भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के लिए महत्वपूर्ण हैं, जिसने 1990 के बाद से यहां हुए चुनावों में हमेशा बढ़त हासिल की है। कांग्रेस को 2012 में इन 16 सीट में से दो पर जीत मिली थी। 2017 में उसके प्रदर्शन में सुधार हुआ और पार्टी चार सीट जीतने में कामयाब रही। आम आदमी पार्टी (आप) के आने से मुकाबला दिलचस्प हो गया है, जिसने सभी 16 सीट पर उम्मीदवार उतारे हैं। वहीं, ऑल इंडिया मज्लिस-ए-इत्तेहाद-उल-मुस्लिमीन चार सीट पर चुनाव लड़ रही है।

राजनीतिक विश्लेषकों का अनुमान है कि फिलहाल इन 16 में से 12 सीट पर काबिज भाजपा इनमें से अधिकतर सीट जी सकती है और आप शायद ही कोई प्रभाव छोड़ पाए। कुछ सीट पर एआईएमआईएम कांग्रेस के वोट काट सकती है।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने दूसरे चरण के मतदान से पहले शहर में एक के बाद एक दो रोडशो किए हैं। इस चरण में उत्तर और मध्य गुजरात की सीटों पर मतदान होना है। ऐसे भाजपा की गढ़ कही जाने वालीं अहमदाबाद शहर की 16 विधानसभा सीट फिर से चर्चा में आ गई हैं। मोदी ने शहर में एक दिसंबर को 30 किलोमीटर लंबे रोड शो का नेतृत्व किया था। उनका रोडशो अहमदाबाद के 13 विधानसभा क्षेत्रों से होकर गुजरा था। दो दिसंबर को, उन्होंने अपने धुआंधार प्रचार अभियान के तहत अहमदाबाद हवाई अड्डे से सरसपुर क्षेत्र तक 10 किलोमीटर के रोड शो का नेतृत्व किया। गुजरात के अन्य शहरों की तरह इस शहर के मतदाता 90 के दशक की शुरुआत से भाजपा के पीछे मजबूती से खड़े रहे हैं। शहर में दो प्रमुख सीट मणिनगर और घाटलोडिया हैं। मणिनगर सीट से 2002 से 2014 तक मोदी विधायक रहे थे जबकि पाटीदार समुदाय के प्रभुत्व वाली घाटलोडिया सीट से मुख्यमंत्री भूपेंद्र पटेल विधायक हैं। इससे पहले इस सीट से पूर्व मुख्यमंत्री आनंदीबेन पटेल विधायक थीं। साल 2015 में हुए पाटीदार आरक्षण आंदोलन के बावजूद 2017 में भूपेंद्र पटेल ने 1.17 लाख वोट के भारी अंतर से जीत हासिल की थी। भाजपा ने दोबारा सत्ता में आने पर पटेल को ही मुख्यमंत्री की कुर्सी पर बिठाने की घोषणा की है। कांग्रेस ने घाटलोडिया से अपने राज्यसभा सदस्य डॉक्टर अमी याज्ञनिक को मैदान में उतारा है।

विचार वैभव

> ऐसा नहीं है कि मैं बहुत चतुर हूं, सच्चाई यह है कि मैं समस्याओं का सामना अधिक समय तक करता हूं।
> -अल्बर्ट आइंस्टीन

अमेरिकी-भारतीय सैन्य नजदीकी से चीन की चिंता बढ़ी

चीन की सीमा से सटकर उत्तराखंड में भारत व अमेरिका की सेनाओं का साझा सैन्य अभ्यास चल रहा है चीन में खासी बेचैनी देखी जा रही है। इतना ही नहीं, चीन ने अमेरिका को चेताया है कि हम भारत के साथ अपने मुद्दे सुलझा लेंगे, इसमें अमेरिका दखल न दे। चीन की इस बेचैनी की एक वजह हाल में अमेरिकी कांग्रेस के लिये तैयार पेंटागन की नवीनतम रिपोर्ट भी है, जिसमें चीन की रक्षा तैयारियों से उत्पन्न चुनौतियों का जिक्र है। जो भारत-अमेरिका समेत दुनिया की चिंता बढ़ाने वाली हैं। तभी चीनी अधिकारियों ने अपने अमेरिकी समकक्षों को नई दिल्ली के साथ बीजिंग के संबंधों में हस्तक्षेप न करने की चेतावनी दी है। कहा गया है कि चीन भारत के साथ रिश्तों में अमेरिकी दखल को गैर जरूरी मानता है। साथ ही कहा गया है कि भारत के साथ द्विपक्षीय संबंधों के विभिन्न पहलुओं तथा सीमा गतिरोध को दूर करने की चीन इच्छा रखता है। यहां तक कि चीनी विदेश मंत्रालय ने अमेरिकी अधिकारियों पर आग में घी डालने तक का आरोप लगाया था। साथ ही अमेरिका को चेताया था कि बीजिंग और नई दिल्ली बातचीत से अपने मतभेदों को दूर करने की क्षमता और इच्छाशक्ति रखते हैं। यानी अमेरिका को इसमें दखल देने की जरूरत नहीं है। निश्चित रूप से यह चीन की दोहरी रणनीति का ही हिस्सा है। दोनों देशों के सैन्य कमांडरों ने पिछले दो वर्षों में सोलह दौर की बातचीत की है। जिसके बावजूद कई विवादित स्थलों से चीनी सैनिकों की वापसी का मुद्दा उलझा हुआ है। इस बात का चीन को अहसास होना चाहिए कि भारत के साथ उसके संबंधों में भरोसे की कमी के चलते ही वाशिंगटन को नई दिल्ली के साथ रक्षा और सामरिक सहयोग को मजबूत बनाने का अवसर मिला है।वहीं भारत का मानना है कि वास्तविक नियंत्रण रेखा पर शांति बनाये रखे बिना समग्र संबंधों को सामान्य नहीं बनाया जा सकता। दरअसल, वास्तविक नियंत्रण रेखा से सौ किलोमीटर दूर उत्तराखंड में चल रहे भारतीय-अमेरिकी सैन्य अभ्यास को लेकर चीन ने कड़ी आपत्ति दर्ज कराई है। ऐसी ही प्रतिक्रिया चीन ने तब भी दी थी जब अमेरिकी सेना के पैसिफिक कमांडिंग जनरल ने पूर्वी लद्दाख में स्थित एलएसी पर चीन द्वारा संरचनात्मक निर्माण को खतरनाक बताया था।

चीन ने अमेरिका को चेताया है कि हम भारत के साथ अपने मुद्दे सुलझा लेंगे, इसमें अमेरिका दखल न दे। चीन की इस बेचैनी की एक वजह हाल में अमेरिकी कांग्रेस के लिये तैयार पेंटागन की नवीनतम रिपोर्ट भी है, जिसमें चीन की रक्षा तैयारियों से उत्पन्न चुनौतियों का जिक्र है।

वैदिक विचार — स्वामी विद्यानंद 'विदेह'

सर्व मित्र

हते दृंह मित्रस्य मा चक्षुषा सर्वाणि भूतानि समीक्षन्ताम्।
मित्रस्याहं चक्षुषा सर्वाणि भूतानि समीक्षे। मित्रस्य चक्षुषा समीक्षामहे।
य 36.18

दुर्बलता सबसे बड़ा पाप है। दुर्बल का जग वैरी। दुर्बल पर रोग प्रहार करते हैं, अत्याचारी अत्याचार करते हैं। दुर्बल की श्री और लक्ष्मी का अपहरण होता है। दुर्बल की संपदा विनष्ट होती है। दुर्बल का मित्रताप्रस्ताव उसकी कायरता समझा जाता है। दुर्बल की अहिंसा उसकी नपुंसकता मानी जाती है। दुर्बल रहते हुए यह आशा करना कि संसार हमें मित्र की दृष्टि से देखे दुराशामात्र है। दुर्बल से कोई मित्रता क्यों करे? मित्र कहते हैं स्नेह और मान करने वाले को। केवल स्नेह करने का नाम मित्रता नहीं है। स्नेह के साथ रक्षा करना भी मित्र का धर्म है। दुर्बल स्नेह भले ही करे, रक्षा नहीं कर सकता। इसका एक दूसरा पक्ष भी है। वज्र को कोई ठोकर नहीं मारता, धूलि को सब ठुकराते हैं। प्रबल से सब घबराते हैं और उसकी मित्रता की आकांक्षा करते हैं। मैं वेदानुयायी आर्य हूं। बलवान् बनकर दुर्बलों को सताना आर्यत्व नहीं, दस्युता है, असुरता है। सशक्त होकर मैं न्यायनियन्ता बनूं। मैं प्राणिमात्र की सेवा करूं तथा अन्याय, अत्याचार और दुःख से उनकी रक्षा करूं। मेरे स्नेह और रक्षण से, प्रेम और सेवा से निर्भय और प्रीतिमान् होकर सब प्राणी मुझे मित्र की दृष्टि से देखें। मैं भी सब प्राणियों को मित्र की दृष्टि से देखूं।

आज का विचार — –डॉ. विनोद दीक्षित

समय प्रबंधन

व्यक्ति जब अपने समय का प्रबंधन नहीं करता है तो उसे सफलता मिलना कठिन हो जाती है। वैसे देखा जाए तो समय प्रबंधन न कर पाने के अनेक कारण होते हैं इन में मुख्यत: व्यक्ति का आलसी होना, तनावग्रस्त रहना, प्राथमिकताएं निर्धारित नहीं कर पाना, कितना समय किस कार्य को देने की योजना न बना पाना मुख्य है। श्रेष्ठ जीवन यापन करने और जीवन में सफलता प्राप्त करने के लिए पूर्ण रूप से संतुलन हो, जीवन में अनुशासन का होना भी आवश्यक है। आज का दिन आपके लिए मंगलमय एवं कल्याणकारी हो। जय श्री राधे।

पत्र मिला

बढ़ते साइबर अपराधों को रोकने में विफल साबित हो रहे हम

व्हाट्सअप, फैसबुक, इंस्टाग्राम हैक होने की घटनाएं दिनोंदिन बढ़ती जा रही है, आम आदमी इन हमलों से भारी नुकसान झेल रहे हैं, लेकिन विडम्बना यह है कि सरकार के पास इसके समाधान का तंत्र कमजोर एवं बेअसर है। इन सोशल मीडिया के हमलों के साथ-साथ साइबर हमलों ने भी खतरों की झड़ी लगा दी है। इसमें कोई संदेह नहीं है कि सूचना क्रांति ने हमारा जीवन आसान बना दिया है। तकनीक के जरिए प्रत्येक क्षेत्र में नित नए कीर्तिमान एवं जीवन को आसान बनाने की स्थितियां भी कायम हुई हैं। प्रतिदिन व्हाट्सअप, फैसबुक, इंस्टाग्राम हैक होने की घटनाएं आम होती जा रही है, लेकिन इसी बीच अखिल भारतीय आयुर्वेद संस्थान- एम्स के सर्वर में सेंधमारी ने तो सरकार की नींद उड़ा दी है। तकनीकी विशेषज्ञों की लगातार कोशिशों के बावजूद उसे पहले की तरह ठीक नहीं किया जा सका है। आशंका जताई जा रही है कि एम्स के सर्वर को हैक करने से करोड़ों व्यक्तियों से जुड़ी सूचनाओं पर सेंध लगने के साथ फिलहाल अस्पताल की इमरजेंसी, ओपीडी, लैब व अन्य सेवाओं में मैनुअली काम हो रहा है।

विराट वैभव
नई दिल्ली, रविवार, 04 दिसम्बर 2022

कॉरपोरेट्स को रेवड़ियां और किसान को बेड़ियां

देविंदर शर्मा
लेखक खाद्य एवं कृषि मामलों के विशेषज्ञ हैं।

पंजाब में बनी आम आदमी पार्टी की नई सरकार ने कुछ महीने पहले पंजाब राज्य सहकारी कृषि विकास बैंक से कर्ज लेने वाले 2000 किसानों पर ऋण वापसी में असफलता के कारण दायर किए गए मामले वापस लिए थे। ये किसान 5 एकड़ से ज्यादा रकबे के मालिक थे। कर्ज वापसी में नाकामी पर किसानों के खिलाफ गिरफ्तारी वारंट जारी करने की परिपाटी काफी समय से बनी हुई है, वह भी मामूली बकाए पर। बैंक ऋण देते वक्त किसान से हस्ताक्षरयुक्त किंतु बिना रकम लिखे जो चेक बतौर जमानत रखवा लेते हैं, किस्तें टूटने पर बैंक इनमें रकम भरकर सिविल मामले को आपराधिक केस में तब्दील कर देते हैं। सजा काटने के दौरान कई किसानों की मृत्यु होने की सूचनाएं मिली हैं। ऐसे मामले भी हैं, जिनमें अदालती नोटिस मिलने के बाद, सार्वजनिक मानहानि सहन न कर पाने के कारण किसान खुदकुशी करना चुनता है।

इसी बीच, पिछले 5 सालों में राष्ट्रीयकृत बैंकों के अलावा निजी बैकों ने कॉर्पोरेट्स की तरफ लगभग 10 लाख करोड़ बकाया कर्ज की उगाही छोड़ कर दी है। 21 नवम्बर, 2022 को इंडियन एक्सप्रेस अखबार में सूचना का अधिकार की मार्फत मिली जानकारी का हवाला देती एक खबर में बताया गया है कि मार्च, 2022 तक कॉर्पोरेट्स की तरफ निकलते कुल बकाया कर्ज में बैंक केवल 1.32 लाख करोड़ रुपये ही उगाह पाए हैं। पिछले 10 सालों में कॉर्पोरेट्स की कुल मिलाकर 13.22 लाख करोड़ रुपये ऋण माफी की गई है, इसमें भी 10.09 लाख करोड़ रुपये तो पिछले 5 सालों में माफ किये गये हैं। इसका लगभग 73 फीसदी बोझ राष्ट्रीयकृत बैंकों को वहन करना पड़ा है। यह तथ्य इस बात की ताईद करते हैं, जो लंबे से दोहराई जा रही है = 'बात जब कॉर्पोरेट्स की आए तो हम समाजवादी बन जाते हैं लेकिन जब किसान की हो तब पूंजीवादी।'

आज तक कोई खबर नहीं देखी जिसमें बड़े पूंजीपति या किसी कॉर्पोरेट मुखिया को कर्ज उगाही की एवज में जेल में डाला गया हो। यह 'त्रुटि' खाता, जिसे बड़ी चतुराई से नॉन परफोर्मिंग एस्सेट्स (एनपीए) जैसा मासूम नाम दिया गया है, वास्तव में वह सुरक्षा छतरी है, जो कर्ज चुकाने में असमर्थ किसी किसान या आम नागरिक को उपलब्ध नहीं है, जो अपना घर बनाने अथवा कार के लिए ऋण की किस्तें नहीं चुका पा रहा हो। सवाल जो पूछा जाना चाहिए वह यह कि साधारण किसान या नागरिक के साथ ठीक वही व्यवहार क्यों नहीं होता जो पूंजीपतियों से किया जाता है। क्यों जेल जाने से अभयदान केवल बड़े खिलाड़ियों को उपलब्ध है जो कि कर्ज न चुकाने के कहीं ज्यादा बड़े दोषी हैं, क्यों इनसे बच्चों जैसा नरम व्यवहार किया जाता है।

सच तो यह है कि खुद रिज़र्व बैंक ने कई बार कहा है कि कर्ज वापसी के दोषी पूंजीपतियों का नाम उजागर करने से भावी निवेशकों को गलत संकेत जाएगा। वहीं दूसरी ओर आलम यह है कि कर्ज चुकाने में असमर्थ किसान का न केवल नाम बल्कि उसकी फोटो भी तहसील मुख्यालय में लगा दी जाती है, मानो कोई बहुत बड़ा वांछित अपराधी या आतंकवादी हो। यही कारण है कि जहां ऋण वापसी न करने वाले अमीर शानोशौकत भरी जिंदगी जीए जा रहे हैं, वहीं गरीब किसान जेल में सड़ता है।

इससे आगे, मीडिया बताता है कि कॉर्पोरेट्स का माफ किया गया भारी-भरकम ऋण वर्ष 2022-23 के कुल वित्तीय घाटे का 61 प्रतिशत हिस्सा होगा। यह तथ्य बहुत संगीन है क्योंकि क्रमवार आए वित्तीय आयोगों का लक्ष्य वित्तीय घाटे को सकल बजटीय मद के 3 प्रतिशत से नीचे रखने का रहा है। इसके अलावा, ऐसे समय पर जब सर्वोच्च न्यायालय यह तय करने में लगा हो कि किसको 'मुफ्त की रेवड़ी' माना जाए और यहां तक कि प्रधानमंत्री भी चुनावी भाषणों में 'रेवड़ी संस्कृति' का उलाहना दे रहे हों, तो यह बात एकदम साफ है कि जहां गरीब-भलाई की घोषणाओं को 'राष्ट्रीय खजाने पर बोझ' बताया जाता है वहीं हकीकत में यह बड़े कॉर्पोरेट्स हैं, जिन्हें सबसे ज्यादा रेवड़ियां मिल रही हैं।

यह सही है कि कर्ज माफी बैंकों के बही-खाते से की जाती है ताकि राजकीय खजाने पर अतिरिक्त बोझ न पड़े। लेकिन आखिरकार बैंकों की भरपाई सरकार को ही करनी पड़ती है अर्थात्? सारा बोझ अंततः राजकीय कोष पर आता है। अब यदि कुल वित्तीय घाटे के 61 फीसदी हिस्से के बराबर माफ किया धन सरकार के हाथ में रहता, तो मुझे पूरा यकीन है कि जन स्वास्थ्य, शिक्षा और किसानों को फसलों की ज्यादा कीमत देने लायक पर्याप्त पैसा होता।

ये भारी-भरकम ऋण-माफियां ऐसे वक्त पर हो रही हैं जब सरकार उद्योगों को भी सकल घरेलू उत्पाद के 5.5 प्रतिशत हिस्से के बराबर छूटें दे रही है। सितंबर, 2019 में, कोविड महामारी से पूर्व, सरकार ने भारतीय कॉर्पोरेट्स जगत को 1.45 लाख करोड़ रुपये की अतिरिक्त कर-माफी की थी, तब भी अनेकानेक अर्थशास्त्रियों ने यह सवाल उठाया था कि इनकी वित्तीय मदद करने की बजाय यह राशि ग्रामीण क्षेत्र में मांग बढ़ाने में क्यों नहीं लगाई जाती?

हाल ही में संसद को बताया गया है कि 'इरादन दोषियों' की संख्या अब 10000 से अधिक है, जो कर्ज चुकाने की हैसियत में तो हैं पर चुक चाहते। 100 करोड़ रुपये से ज्यादा के कर्ज केवल 312 बड़े इरादन ऋण-दोषियों के सार्वजनिक क्षेत्र की कुल देनदारी का 1.4 लाख रुपये बकाया है। सच्चाई यह है कि सार्वजनिक में कॉर्पोरेट्स की देनदारी को लेकर सहानुभूति पा है। जब कभी किसानों का कर्ज माफ होता है चैनलों पर गुस्सा जाहिर किया जाता है। किस बारी खबरिया चैनलों की मुख्य सुर्खियां 'ऋण बंद हों' जैसी चिल्ल-पों मचाती हैं, वहीं कॉर्पोरे मिली भारी-भरकम ऋण माफी पर शायद ही कभ होती दिखाई दे।

अब इस स्थिति का मिलान पंजाब के किसा फसलों पर लिए ऋण की अदायगी समय पर से करें तो 'दोषी' किसानों की कुल संख्या 71000 है, जिनमें 2000 वह भी हैं, जिनके वारंट जारी हुए थे। इन सब पर कुल मिलाकर 3200 करोड़ रुपये बनता है। ऐसे मामले भी हरियाणा में 80 साल से अधिक एक बुजुर्ग को 2 लाख ऋण वसूली की एवज में जेल में डा गया। अब यदि ऋण-दोषी किसान के विरुद्ध वार हो जाता है तो क्योंकर कॉर्पोरेट जगत के इरादन दोषियों से ठीक इसी तरीके से निपटा नहीं जात उन्हें गिरफ्तार नहीं किया जाता? क्यों रिजर्व बैंक सुरक्षा चक्र प्रदान करना जारी रखे हुए है? न सिर्फ इरादन ऋण-दोषी बल्कि कॉर्पोरेट्स से वसूलने की समूची प्रक्रिया ऐसे तंत्र से युक्त धारहीन है।

यही समय है कॉर्पोरेट्स को दी जा रही इन किनारा करने का। बैंकों द्वारा उनकी तरफ रहते की रकम को एक अलग खाते में डालकर यह कि वसूली प्रक्रिया जारी रहेगी, दरअसल बैंकों द्व डालने का एक बहुत चतुर और तकनीकी पैं क्योंकि वे जानते हैं कि कर निर्धारण करते वक की गई राशि घटा देने के बाद उनके अपने बही में दिखाया जाने वाला मुनाफा पाताल में चला भारतीय दिवालिया एवं शोधन क्षमता कोड (इन्स एंड बैंकरप्सी कोड) भी कॉपोरेट्स से बकाय उगाहने में नाकाम रहा है। दावों से इतर बहुत ब की ऋण माफी (कुछ मामलों में तो 80-90 तक) को भी सार्वजनिक धन खुर्द-बुर्द करने का तरीका माना जाता है। बहरहाल यह देखना रोच कि नवनिर्मित 'बैड बैंक' प्रणाली से किस तरह का डूबा धन वापस मिल पाएगा।

किसने क्या कहा...

भारत कभी हिंसा और युद्ध का समर्थन नहीं करता : राजनाथ सिंह

राज्यपाल की नियुक्ति के लिए मानदंड तय हो : उद्धव ठाकरे

मेरी टिप्पणी का दुरुपयोग कर रही है भाजपा :मल्लिकार्जुन खड़गे

यदि केंद्र विपक्ष की बात सुनता तो भारत जोड़ो यात्रा की जरूरत नहीं होती : सुरेश पचौरी

कार्टून...

मेड इन इंडिया में मेड नहीं

व्यंग्य

सतपाल

कमल ने ज़ोर से शोर मचाते हुए गुस्से में कहा....ऐ रेखा क्या हुआ तुझे, अभी तक चाय में उबाल नहीं आया, मगर मैं उबल उबल कर लाल पीला हो गया हूं, अब मैं कुछ बर्दाश्त नहीं कर सकता। इस पर रेखा ने भी अपने को बिजली के पोल की तरह खड़ा करते हुए जवाब दिया...ऐ पति संकटेश्वर, क्यों आसमान पर सिर उठा रखा है, पहले मेरे साथ किचन में आ, बर्तन धुलाने और सफाई करने में हाथ बंटा, तभी मिलेगी चाय। मेरे हाथ चप्पल के तले की तरह तार तार हो गए हैं और तुम्हें कोई फिक्र नहीं, तशरीफ का टोकरा लेकर लुटे खिलाड़ी की तरह किचन में आओ, वरना। कमल ने कहा..ऐ दिशा पटनी का नाम बदनाम कर रही मेरी ज़ाहिल पत्नी, वरना क्या कर लेगी? रेखा..सीधे नंगे पांव मायके चली जाऊंगी, तुम देखते रहियो, सरकार में काम करते करते मेक इन इंडिया में बनी एक मेड नहीं ला सकते तो कम से कम कठिन दौर में घर का काम करो। कमल कहां कम तेज़ तर्रार था, वह बोला...अक्ल की अंधी, किस तरह बी.ए. पास कर ली, यह नहीं मालूम किस तरह पढ़ाई कर ली, यह पता नहीं कि मेड इन इंडिया में फ्रिज, टी वी, मशीनें बनती हैं, मेड पैदा नहीं होती। नजाने कैसै पास हो गई?

अब वार करने की टर्न रेखा की थी..अरे तुझ पर इश्क का भूत सवार था, तुमने परीक्षा सेंटर में चाय वाला बनकर पर्चियां पहुंचाई थीं, अब आग हूं, इसी समय साल्यूशन चाहती हूं,। कमल..यार मैं भी तेरी मेड आने का इंतज़ार कर रहा हूं, कम से कम वह मायके जाने की धमकी तो नहीं देगी। रेखा ने तोप दागते हुए कहा–ऐ पिटे हुए आशिक, तेरी क्या लगती है कल्लो? कमल ..मेरी जान। रेखा..मैं दिन दहाड़े लुट गई, अब कतई नहीं जाऊंगी मायके, अपने भाइयों को बुला कर तेरा जनाजा निकलवाऊंगी। कमल- अरी छोड़, फिलहाल कल्लो को घर ले आते हैं, मैं और कल्लो मिलकर सारा काम करेंगे और तेरे हाथ पांव फिर से सोलह साल जैसे कोमल और मुलायम हो जाएंगे, जब मैं टच करूंगा तो स्वर्ग सा आनंद मिलेगा। रेखा- तुम्हें यकीन है कि कल्लो आ जाएगी। कमल.. वो तैयार है, रोज़ मदर डेयरी पर मिलती है और कहती है, और कितनी जुदाई सहूं, तेरे बिन? कमल और रेखा इस प्रस्ताव पर राजी हो गए।

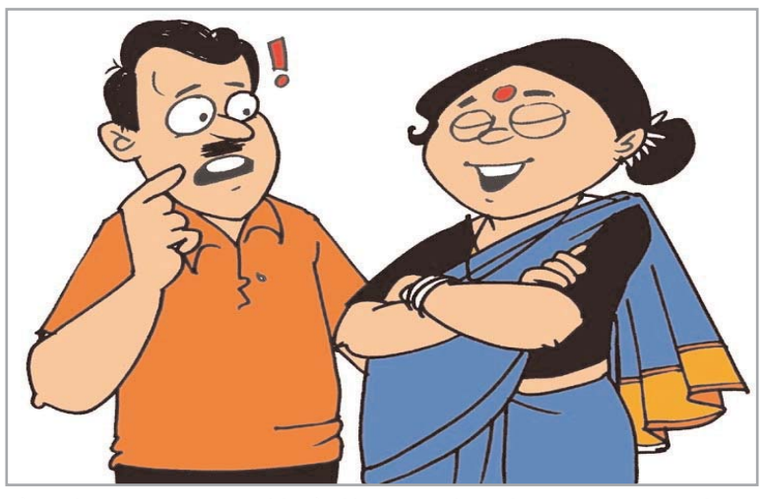

कमल को पता था कि अगर वह मना करेगा तो रेखा तूफान खड़ा कर देगी। यह सोच कर कमल ने एक प्लान बनाया और रेखा को सेट करने की कोशिश करने लगा। तीन दिन बाद कमल अपनी रेखा को टॉप क्लॉस फाइव स्टार होटल डिनर के लिए ले गया। उस शाम रेखा सातवें आसमान पर थी, कमल की बहियां और गल बहियां छोड़ने का नाम नहीं ले रही थी। कमल भी रेखा को खुश करने के लिए उसके बदन के साथ होटल में, शर्म का ध्यान रखते हुए, लगातार खेल रहा था। कमल ने जब देखा कि अब रेखा पूरी तरह मस्ती में है तो उसने कहा--- रेखा मैंने तेरे लिए पर्सनल मेड लाने का मन बना लिया है, मैं अपनी रानी के लिए कुछ भी कर सकता हूं, बस दो साल वेट करना होगा, मेड आने से पहले कल्लो पर चोरी का आरोप लगा कर उसे आउट कर देंगे। कमल ने नई मेड की

उपदेश

रामायण में हनुमान जी ने श्रीराम और सुग्रीव की मित्रता क दी थी। उस समय श्रीराम ने सुग्रीव से पूछा, राजा सुग्र आपकी और मेरी अभी-अभी मित्रता हुई है। मैं ये जा चाहता हूं कि आप इस जंगल में क्यों रहते हैं? किस बात की परेश है? सुग्रीव ने कहा, मेरे बड़े भाई का नाम बाली है। वह मुझे मारने लिए खोज रहा है। ऋष्यमूक पर्वत पर वह आ नहीं सकता है, क्यों उसे शाप लगा है। मैं यहां डरकर छिपा हुआ हूं। श्रीराम ने पूछा, आपका सगा भाई आपको मारना चाहता है? सुग्रीव ने कहा, हां, एक समय हम दोनों भाइयों में बहुत प्रेम था, मित्रता थी। एक दिन हमारे राज्य में एक दानव आया। मेरा भाई बाली बहुत बलवान है और अहंकारी है तो वह उस दानव को मारने के लिए दौड़ पड़ा। दोनों में युद्ध हुआ। दोनों लड़ते-लड़ते एक गुफा में चले गए। बाली मुझसे कहकर गया था कि तुम गुफा के बाहर रुकना, मैं इस दानव को मारकर आता हूं, लेकिन काफी समय तक बाली नहीं आया, एक दिन गुफा से रक्त की धार बाहर आ गई, मैं डर गया। मैंने सोचा बाली मारा गया। मैंने एक बड़ा पत्थर गुफा के द्वार पर रखा और अपने राज्य लौट आया। राजा बाली के राज्य था तो मंत्रियों ने मुझे राजा बना दिया। कुछ समय बाद जब ब लौट कर आया, उसने मुझे राजा बने देखा तो वह गुस्सा हो गया। उ मुझे मारा। मेरी कोई गलती नहीं थी। श्रीराम सोचते हैं, आधी-अ गलती दोनों की है। बाली ने ये जानने की कोशिश नहीं की कि सु को राजा किसने और क्यों बना दिया? दूसरी ओर सुग्रीव ने जब गुफ से रक्त की धार निकलते हुए देखी तो वह जान ही नहीं सका कि ये

मैं ये जानना चाह कि आप इस जंगल क्यों रहते हैं? किस बात की परेशानी है सुग्रीव ने कहा, मे बड़े भाई का नाम बाली है। वह मुझे मारने के लिए खो रहा है। ऋष्यमूक पर्वत पर वह आ न सकता है, क्योंकि शाप लगा है। मैं य डरकर छिपा हुआ ह

गांव के पास निकला विशालकाय अजगर

अमर ख्याल ब्यूरो

बहराइच। कतर्नियाघाट वन्यजीव प्रभाग के सुजौली के रेंज के अंतर्गत आने वाले ग्रामसभा सुजौली के गरेडियनपुरवा गांव के पास खेत में एक विशालकाय अजगर को देखा गया अजगर को देखते ही ग्रामीणों में भारी हड़कंप मच गया मौके पर हजारों ग्रामीणों की भीड़ एकत्र हो गई ग्रामीणों ने अजगर को देख सूचना वन कर्मियों को दी मौके पर वन क्षेत्राधिकारी सुजौली रेंज रामकुमार के द्वारा सुजौली रेंज के वन कर्मियों को अजगर का रेस्क्यू अभियान के लिए आदेश दिए गए मौके पर पहुंचे वन कर्मी ठाकुर प्रसा,द वाचर सूरज शुक्ला, प्रधान के द्वारा विशालकाय अजगर का कड़ी मशक्कत के साथ ग्रामीणों की मदद से अभियान चलाया गया 1 घंटे की कड़ी मशक्कत को पकड़ लिया गया उन्हें छोड़ दिया है।

गेहूं के खेत में 10 वर्षीय बच्ची का शव मिलने से मचा हड़कंप

अमर ख्याल

पीलीभीत। मेला देखने गई 10 वर्षीय बच्ची का सब मिलने से मचा हड़कंप दरअसल पूरा मामला अमरिया क्षेत्र के ग्राम माधवपुर का है। थाना अमरिया क्षेत्र के ग्राम माधवपुर गांव की 10 वर्षीय बच्ची का सब मिला है। और सूचना मिलते ही पुलिस बल मौके पर पहुंचा है । वहां पर मौजूद लोगों से पूछताछ कर रहा है । और भी टीमे यहां पर मौजूद हैं । पुलिस द्वारा सब को कब्जे में लेकर के पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया गया है । देखने को मिला है कि उसके शरीर पर एक चोट का निशान भी है । परिवार वालों के द्वारा रंजिश के चलते हत्या बताई जा रही है। पुलिस द्वारा बताया जा रहा है कि पुलिस बल के द्वारा हत्या की एक-एक सबूत को इकट्ठा किया जा रहा है । रात में बच्ची अपने सगे चाचा के साथ मेला देखने गई थी। परिवार वालों का कहना है कि बाकी सब बच्चे साथ में थे लेकिन वह बच्ची नहीं थी । परिवार वालो ने आसपास बहुत ढूंढा फिर भी बच्ची का कोई सुराग नहीं मिला । परिवार वालों के द्वारा कोई पुरानी रंजिश के चलते बच्ची की हत्या को बताया जा रहा है। पुलिस द्वारा बताया जा रहा है कि साक्ष्य मिलने पर कार्रवाई की जाएगी।

कला एवं खेल प्रतियोगिता में उत्कृष्ट बच्चों को किया गया पुरस्कृत

संवाददाता रमेश प्रसाद

कुशीनगर । तहसील खड्डा के अंतर्गत जयनाथ राव इंटरमीडिएट कॉलेज बरवारतनपुर में उत्कृष्ट बच्चों को पुरस्कृत किया गया जो खेल प्रतियोगिता एवं कला प्रतियोगिता में विद्यालय में प्रथम स्थान प्राप्त करने वाले बच्चों को पुरस्कृत किया गया तथा हर कक्षा के तीन छात्रों को पुरस्कृत किया गया प्रथम स्थान प्राप्त करने वाले बच्चों को गोल्ड मेडल एवं प्रशस्ति पत्र देकर सम्मानित किया गया द्वितीय स्थान प्राप्त करने वाले उत्कृष्ट छात्रों को प्रशस्ति पत्र एवं मेडल देकर पुरस्कृत किया गया तथा तृतीय स्थान प्राप्त करने वाले छात्र छात्राओं को प्रशस्ति पत्र देकर के सम्मानित किया गया जिसमें सभी कक्षा के छात्र-छात्रा भाग लिए विद्यालय के प्रबंधक संजय ने बताये कि हर साल प्रतियोगिता कराया जाएगा एवं उत्कृष्ट छात्र/छात्रों को पुरस्कृत किया जाएगा विद्यालय के प्रधानाचार्य रमेश प्रसाद ने बताये कि सम्मान से बढ़कर के कुछ और नहीं होता जीवन में सम्मान मिलना बहुत बड़ी बात है हर व्यक्ति हर जगह सम्मानित नहीं हो पाता इसलिए उत्कृष्ट छात्रों को सम्मानित करते हुए कहे की आप हर समय में अनुशासन में रहें तथा पुरस्कार के भागी बने विद्यालय के शिक्षक राजेश गुप्ता जयप्रकाश सिंह रामदरस शर्मा दुर्गेश प्रजापति श्रीराम मिश्रा जोखू प्रसाद राहुल शर्मा मोहन भारती सदरे आलम शिव शक्ति रविंद्र यादव सोनम गुप्ता नीतिका तिवारी सबिबुन नेशा अभिभावक स्वरूप शिक्षक रणजीत सिंह उपस्थित रहे

बाल विवाह रुकवाने के लिए गांव पहुंची टीम

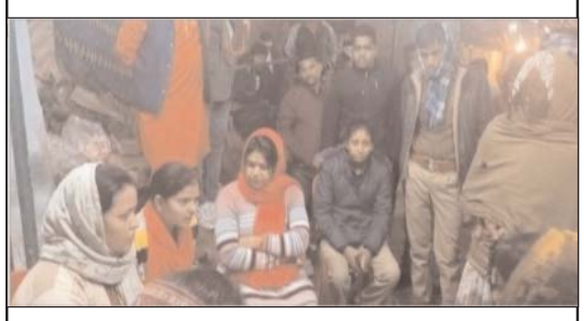

अमर ख्याल ब्यूरो

हमीरपुर । भरुआ सुमेरपुर थानाक्षेत्र के बिरखेरा गांव में नाबालिग की हो रही शादी की शिकायत पर महिला कल्याण विभाग, चाइल्ड हेल्पलाइन के साथ पुलिस टीम मिलकर शादी रुकवाने के लिए गांव पहुंच गई और फेरे ले रहे वर वधू को बीच में रुकवा दिया। कन्या पक्ष के लोगों को समझा- बुझाकर शादी कराने से मना करा दिया। वही वर पक्ष को वापस भेज दिया गया बिरखेरा गांव निवासी किसी व्यक्ति ने महिला हेल्पलाइन नंबर पर बताया कि गांव में एक नाबालिग की शादी कराई जा रही है। बाल विवाह की सूचना मिलने पर आधी रात को जिला प्रोवेशन अधिकारी राजीव कुमार सिंह के निर्देशन में महिला कल्याण अधिकारी पुष्पा देवी, बाल तथा थाने से महिला कांस्टेबल के साथ गांव पहुंचकर नाबालिग की शादी रुकवा दी। बाल संरक्षण अधिकारी ने बताया कि गांव से 1098 से अनुभव व अंकुर शुक्ला शिकायत मिली थी जिस पर कन्या संरक्षण अधिकारी गोपाल कृष्ण

मिश्रा, वन स्टॉप सेंटर मैनेजर मोनिका गुप्ता, काउंसलर रीना व रंजना व पक्ष के लोगों का समझा बुझाकर कानूनी प्रक्रिया बताई गई। जिस पर परिजन शादी न करने पर सहमत हो गए और वर पक्ष वापस भेज दिया गया

राष्ट्रपति पुरुस्कार से सम्मानित पूर्व शिक्षक मुंह पर कागज चिपका कर पहुँचा समाधान दिवस

अमर ख्याल ब्यूरो

बहराइच। जनपद के पयागपुर आमजन के समस्याओं का त्वरित निस्तारण करने के उद्देश्य से सरकार ने महीने के प्रथम व तीसरे शनिवार को समाधान दिवस तहसील स्तर पर व दूसरे व चौथे शनिवार को थाना समाधान दिवस का आयोजन करती है।जिससे आमजन के द्वारा मिली शिकायतों पर त्वरित निस्तारण किया जा सके। लेकिन तहसील पयागपुर समाधान दिवस में एक चौंकाने वाला मामला सामने आया जब शिकायतकर्ता अपने मुंह पर कागज चिपका कर पहुंचा और समाधान दिवस की अध्यक्षता कर रहे उप जिलाधिकारी पयागपुर को ग्राम पंचायत की सरकारी जमीनों को दबंगो के चुंगल से छुड़ाने संबंधी शिकायती पत्र दिया। आपको बताते चलें कि शिकायतकर्ता राष्ट्रपति पुरुस्कार से सम्मानित पूर्व शिक्षक बलदेव प्रसाद पाण्डेय निवासी ग्राम पंचायत झालातरहर विकास खंड पयागपुर ने लिखा की मेरे ग्राम पंचायत के अधिकांश सरकारी भूमि पर दबंगों द्वारा कब्जा कर लिया गया है जिसके बाबत दर्जनों प्रार्थना पत्र जिम्मेदार अधिकारियों को दे चुका हूँ पर अभी तक उस पर कोई सुनवाई नहीं हुई।इस कारण पीड़ित ने अपने मुंह पर कागज की पट्टी चिपकाकर तहसील समाधान दिवस की अध्यक्षता कर रहे उपजिलाधिकारी को शिकायती पत्र सौंपा जिसमें लिखा कि आप के तहसील में इस बावत 25 प्रार्थना पत्र दे चुका हूं लेकिन गलत सूचना देकर कर्मचारी अधिकारी द्वारा समस्या के निस्तारण की बात की जा रही है लेकिन समस्या का निस्तारण नहीं किया जा रहा।वहीं प्रार्थना पत्र मिलने पर उप जिलाधिकारी दिनेश कुमार ने मामले में संज्ञान लेते हुए तहसीलदार को सीमांकन कराकर समस्या का निस्तारण किए जाने का आदेश दिया।वही पीड़ित ने बताया कि अगर मामले की सुनवाई नहीं हुई तो जिलाधिकारी से लेकर मुख्यमंत्री तक जाकर शिकायत करने के लिए कहा

पानी टँकी लगते ही गंदा जल भराव शुरू, पानी निकासी के लिए नाली नही, लोग परेशान

कुआं के पास लगी पानी टँकी,जहाँ जरूरत वहां स्वक्ष जल के लिए तरस रहे लोग

अमर ख्याल , मनोज त्रिपाठी

लालापुर (**प्रयागराज**) सरकार ने हर घर जल नल योजना के तहत जहां पर पीने के पानी की दिक्कत हो वहाँ पर पैनल व छोटी टँकी लगाकर पानी की व्यवस्था कराई जाय। सरकार की मन्सा हर घर जल सभी को मिले,ताकि कोई भी ब्यक्ति पीने के पानी के लिए परेशान न हो,सरकार की मन्सा एकदम साफ है ब्लाक जसरा अंतर्गत ग्राम सभा गोबरा तरहार गांव सोनौरी में सोलर पैनल सहित 1000 लीटर की प्लास्टिक पानी की टँकी लगाई गई है। जिसकी लागत ?3,80लाख है।जहाँ पर टँकी लगाई गई है उसी के पास बगल कुँवा मौजूद है।उसी कुँवा के पानी से दर्जनों घर की प्यास बुझती थी।जहाँ एक तरफ टँकी इस जगह लग जाने से गन्दा जल भराव हो गया तो वही दूसरी तरफ कुँवा से पानी न निकलने से उसका अस्तित्व खतरे में जरूर पड़ गया सम्बंधित अधिकारी आंख मूदकर लगाए सर्वे रिपोर्ट जहाँ पर पानी की भरपूर थी ब्यवस्था वही लगवाया टँकी।उसी बस्ती में दर्जनों घर दूर दराज से आज भी लाते है पीने का पानी तब उनकी बुझती है प्यास। सरकारी योजना आती जरूर है, लेकिन जिम्मेवार अपने चहेते तक सिमट कर रख दिये है इसी तरह सम्बंधित अधिकारी आँख मूद कर अपनी सर्वे रिपोट लगा देते है।

हमीरपुर में खनन माफियाओं के हौसले बुलंद 10/22 मे बेखौफ होकर कर रहे हैं अवैध खनन

एनजीटी के नियमों की उड़ाई जा रही है धज्जियां

भारी भरकम मशीनों से हो रहा है अवैध खनन

अमर ख्याल ब्यूरो

हमीरपुर । जिले में खनन माफिया बेखौफ होकर एनजीटी के नियमों को ताक पर रखकर बेतवा नदी का सीना चीरकर मौरंग का अवैध खनन कर रहे है। नदी से मौरंग निकालने के लिए प्रतिबंधित भारी भरकम पोकलैंड मशीनों का प्रयोग कर रहे हैं। बेतवा नदी का सीना चीरकर लगातार दोहन कर रहे हैं। बताया जा रहा है कि ललपुरा थाना क्षेत्र के भोजपुर 10/22 स्थित मौरंग खदान में खनन माफिया दिन-रात बेतवा नदी में जोरों पर अवैध खनन कर करोड़ो रुपये के व्यारे न्यारे कर रहे है।वही शासन को करोड़ों रुपए के राजस्व का चूना लगा रहे हैं। प्रशासन की लाख कार्रवाई के बाद भी खनन माफियाओं के हौसले कम होने का नाम नहीं ले रहे है। एनजीटी के नियमों को लगातार चुनौती दी जा रही है। सैकड़ो ओवर लोड ट्रकों के निकलने से सड़को का भी सत्या नाश किया जा रहा है।

एनजीटी के नियमों को ताक में रखकर हो रहा है खनन

एनजीटी के अनुसार, किसी भी मौरंग खदान में नदी के बीच में खनन नहीं किया जाएगा। सिर्फ नदी के किनारे स्थित मौरंग को ही उठाया जाएगा, पोकलैंड जैसी भारी मशीनों का प्रयोग खनन कार्य में नहीं किया जाएगा। खनन के दौरान यह ध्यान रखा जाएगा कि खनन से जलीय-जीवों और पर्यावरण को कोई नुकसान न हो।साथ ही साथ 3 मीटर से अधिक गहराई में मौरंग की निकासी नहीं की जाएगी, लेकीन लगातार इन नियमों को चुनौती देकर खनन जारी है।

खनन से नदियों का बदल जाता है स्वरूप

बुंदेलखंड जैसे सूखा ग्रस्त क्षेत्र में अवैध खनन आम लोगों के जीवन में परेशानी का सबब बन रहा है. इससे न केवल पर्यावरण को नुकसान पहुंच रहा है, बल्कि यहां के जमीनी जल स्तर को और नीचे पहुंचा रहा है। खनन से नदियों का वाटर लेवल कम होने से कई गांवों और कस्बो में पीने के पानी की किल्लत का सामना भी करना पड़ रहा है। साथ ही साथ नदियों में स्थित जलीय जीव-जंतु और औषधीय वनस्पतियां भी नष्ट हो रही हैं।

पीलीभीत की समस्त तहसीलों मे हुआ तहसील सम्पूर्ण समाधान दिवस का आयोजन सुनी जनता की समस्याएं

अमर ख्याल

पीलीभीत। जिलाधिकारी प्रवीण कुमार लक्षकार की अध्यक्षता में तहसील पूरनपुर का तहसील सम्पूर्ण समाधान दिवस सम्पन्न हुआ। सम्पूर्ण तहसील समाधान दिवस में कुल 54 शिकायती प्रार्थना-पत्र आये जिसमें जिलाधिकारी द्वारा मौके पर ही 35 शिकायतों का निस्तारण किया गया। अवशेष शिकायतों के सम्बन्ध में संज्ञान लेते हुए कहा कि अधिकारी अपनी-अपनी विभागीय शिकायतों का गुणवत्ता परक ढंग से निस्तारण करें, अधिकारी स्वयं शिकायतकर्ता की शिकायतों के निस्तारण हेतु मौका मुआइना अवश्य करें और शिकायतकर्ता सहित दोनों पक्षों को बुलाकर शिकायतों का निस्तारण कराना सुनिश्चित करें। उन्होंने कहा कि मा0 मुख्यमंत्री कार्यालय से जन सुनवाई की शिकायतों की गुणवत्ता की जांच की जा रही है, सभी अधिकारी दोनों पक्षों को बुलाकर गुणवत्तापूर्ण शिकायतों का निस्तारण करायें तथा निस्तारण आख्या पोर्टल पर अपलोड करें, जिससे कि शिकायतकर्ता द्वारा दोबारा शिकायत न की जा सके। राजस्व सम्बन्धी मामलों में जहां पर पुलिस प्रशासन की आवश्यकता हो तो वहां पुलिस को साथ लेकर मौके पर निस्तारण कराया जाये।

तहसील सम्पूर्ण समाधान दिवस में मुख्य विकास अधिकारी श्री धर्मेन्द्र प्रताप सिंह, मुख्य चिकित्साधिकारी डॉ0 आलोक कुमार, मुख्य पशु चिकित्साधिकारी, उप जिलाधिकारी पूरनपुर, डीएफओ सामाजिक वानिकी, उप कृषि निदेशक, जिला कृषि अधिकारी, अधिशासी अभियन्ता पीडब्लूडी, अधिशासी अभियन्ता शारदा सागार खण्ड, जिला गन्ना अधिकारी, जिला पंचायतराज अधिकारी, पीओ डूडा, जिला प्रोबेशन अधिकारी, जिला पूर्ति अधिकारी व खण्ड विकास अधिकारी पूरनपुर सहित अन्य जिला स्तरीय अधिकारी उपस्थित रहे

देश के चौथे स्तंभ को खत्म करने पर आमादा हुए लहरपुर कोतवाल

अपराधिक घटनाओं की खबर प्रकाशन से बौखलाए लहरपुर कोतवाल राजीव सिंह

अमर ख़्याल ब्यूरो

लहरपुर (सीतापुर) - पिछले 5 माह से कोतवाली क्षेत्र में हो रही चोरी और लूट की घटनाओं को लेकर लहरपुर कोतवाली एक और जहां सुर्खियों में रही है वही लहरपुर तहसील पत्रकार एसोसिएशन के पूर्व अध्यक्ष व वरिष्ठ पत्रकार व एक राष्ट्रीय हिंदी दैनिक के सम्मानित संवाददाता पंकज शुक्ला ने अपने समाचार पत्र सहित सोशल मीडिया पर लहरपुर कोतवाली प्रभारी निरीक्षक की अकर्मण्यता हुआ गैर जिम्मेदाराना कार्यशैली व घट रही घटनाओं का खुलासा न कर पाने के संबंध में लगातार न केवल समाचार पत्र में समाचार प्रकाशित किए वरन सोशल मीडिया पर भी जमकर कोतवाली क्षेत्र में न्याय, मानवीय संवेदना जैसे विषय और ध्वस्त हो चुकी कानून व्यवस्था पर तीखे हमले किए। और सोशल मीडिया का सहारा लेकर उच्चाधिकारियों से माननीय मुख्यमंत्री तक को प्रकरणों से अवगत कराया। लगातार छप रहे समाचारों एवं सोशल मीडिया पर हो रही टिप्पणियों को देखते हुए स्थानीय संवाददाता पर दबाव बनाने की रणनीति अपनाते हुए कोतवाली प्रभारी राजीव सिंह ने बीती 1 दिसंबर को सिविल कोर्ट के अपने अधिवक्ता शैलेंद्र कुमार वर्मा एडवोकेट के माध्यम से एक रजिस्टर्ड नोटिस भेजी जिसमें अधिवक्ता द्वारा कहा गया है कि आपने झूठे मनगढ़ंत और साक्ष्य विहीन तथ्यों के आधार पर मेरे मुवक्किल पर झूठे आरोप लगाए हैं जिससे मेरे मुवक्किल की समाज और स्टाफ में छवि काफी धूमिल हुई है जिसके लिए आप पूर्णरूपेण उत्तरदाई हैं और मेरा मुवक्किल सक्षम न्यायालय में आपके विरुद्ध मानहानि का वाद दायर करेगा जिसकी समस्त हरजी खर्चे की जिम्मेदारी आपकी होगी उधर जब इस संबंध में वरिष्ठ पत्रकार पंकज शुक्ला से बात की गई तो उन्होंने कहा कि लोकतंत्र को बचाए रखने में मीडिया और न्यायपालिका की महत्वपूर्ण भूमिका रही है उन्होंने कहा कि वह अधिवक्ता द्वारा भेजी गई नोटिस का तथ्यों के आधार पर एक ओर जहां जवाब देंगे वही तथ्यों के आधार पर न्यायालय में मजबूती के साथ जनहित में अपना पक्ष भी रखेंगे कुछ भी हो पत्रकार पंकज शुक्ला और लहरपुर की कानून व्यवस्था और राजीव सिंह की कार्यशैली के माध्यम से विचारधाराओं की एक ऐसी जंग छिड़ी हुई है जो हर किसी की जुबान पर है

योग मनोविज्ञान बेसहारा मानसिक रोगियों का बनेगा सहारा- योगाचार्य धर्मेन्द्र प्रजापति

अमर ख्याल

गोरखपुर। मनोविज्ञान के छात्रों द्वारा बाबा राघव दास बेसहारा मानसिक मंदित पुरुष आश्रय गृह राजेन्द्र नगर गोरखपुर में विजिट करते हुए सभी छात्रों व मानसिक रोगियो को नैदानिक रोग तथा उसके क्या क्या लक्षण होते हैं तथा उससे संबंधित मानसिक व्यक्ति जो जिस रोग से ग्रस्त हैं उनके बारे में बताते हुए योगाचार्य धर्मेंद्र प्रजापति जी ने योग से रोगों को ठीक करने के बहुत से आसन प्राणायाम की विधियां बताए और उन्हें प्रयोगात्मक रूप से करके दिखाया भी उन्होंने अपने वक्तव्य में ये भी बताया कि मानसिक तनाव आज कल विश्व की सबसे बड़ी त्रासदी के रूप में उभरा रहा हैं। उससे बचने का सिर्फ एक ही साधन हैं योग और ध्यान! जो मानसिक तनाव को कम कर सकता हैं सेंट एंड्रयूज कॉलेज गोरखपुर के मनोविज्ञान विभाग में प्रवक्ता पद पर कार्यरत देवेश कुमार त्रिपाठी ने बताया कि मानसिक समस्याओं का हल हैं लेकिन अगर आप इसे जितना जल्दी किसी अच्छे परामर्श

दाता से कंसल्ट कर ले तो, क्यों की मानसिक तनाव और रोग अपने शुरूआत में एक इंसान को पूर्ण रूप से अपने चपेट में नही लेता समय रहते इसका इलाज संभव हैं संस्था के प्रभारी संजय चौरसिया ने बताया कि मानसिक रोगियों की जिनकी संख्या पहले 50 थी और लगातार निर्देशन काउंसिलिंग से धीरे धीरे सुधार आ रहा है औ? सुधार आते ही इनके द्वारा बताए हुए मूल स्थान पर पहुचाने का कार्य भी किया जा रहा है इन्हें आवश्यकता है अच्छे काउंसलर की जिनसे ये ठीक हो सके सभी बच्चों से भी कहा कि आप अपने खाली समय में आकर इनके साथ कॉउंसलिंग कर सेवा कर सकते हैं। जिससे अन्य सभी युवा वर्ग जागरूक हो सके

मनोविज्ञान के छात्र मोहित आयुष मो० सैफ आदर्श प्रदीप अमन विनय रवि इत्यादि सभी ने योग का अभ्यास करने के पश्चात म्यूजिक थिरेपी द्वारा खुला वातावरण में कैसे मानसिक तनाव को कम किया जा सकता हैं इत्यादि की जानकारियां एक दुसरो तक साझा किये

सामुदायिक शौचालय मे बिना ड्युटी केयर टेकर निकाल रहे मानदेय

अमर ख्याल

सीतापुर । जनपद के विकास खंड हरगांव की ग्राम पंचायत हैदरपुर मे बना सामुदायिक शौचालय अधिकारियों की लापरवाही के कारण संचालित नहीं है प्रधान राजकुमार व खण्ड विकास अधिकारी धरंजय कुमार तथा ग्राम पंचायत अधिकारी सुरेश चंद्र वर्मा के घोटाले का मामला सामने प्रकाश में आया है शौचालय अधूरा पड़ा हुआ है उसमें भी बड़ा आश्चर्य यह है कि शौचालय संचालन के लिए तैनात संचालिका को बराबर वेतन का भुगतान किया जा रहा है गांव हैदरपुर मे सामुदायिक शौचालय का निर्माण करवाया गया था लाखो की लागत से बनवाए गए सामुदायिक शौचालय भवन के पास ही सबमर्सिबल बोर कराने के साथ ही छत पर पानी की टंकी को रखवाकर पाइप की फिटिंग भी करवाई गई है लेकिन शौचालय के पीछे बने सीवर टैंक में आज तक ढक्कन नहीं लगा है और शौच क्रिया के लिए लगाई गई सीटों में कबाड़ गन्दगी भरी हुई है ग्रामीणो ने बताया कि जबसे शौचालय बना तबसे आज तक रखरखाव व साफ सफाई के नाम पर एक समूह की महिला को रखा गया मगर आज तक कोई ड्यूटी करने नही आया इसकी जानकारी जब केयर टेकर लेनी चाही उनके पति ने बताया की अभी कम्प्लीट

नही है मगर उसके नाम पर हर माह नौ हजार रुपये की निकासी की जा रही है आगे ग्रामीणों ने आरोप लगाया कि कमीशन के चक्कर में बाहर से पूर्ण है किंतु अंदर से अभी तक शुरू नहीं हुआ है जब शौचालय शुरू ही नहीं हुआ है तो वेतन निकालने की जांच करवाकर कार्रवाई की जाए

श्री राम झांकी के साथ निकाली गई शोभायात्रा

अमर ख्याल ब्यूरो

कटरा बाजार (गोण्डा) श्री रामलीला कार्यक्रम का आयोजन ग्राम पंचायत बोधा पुरवा में किया गया जिसमें आखरी दिन श्रीराम झांकी के साथ शोभा यात्रा वीरपुर नगर पंचायत कटरा बाजार में विभिन्न स्थानों से होकर निकाली गई इस शोभायात्रा में श्री राम की झांकी के साथ श्रद्धालुओं सम्मानित व्यक्ति के बीच निकाला गया। इस अवसर पर अर्जुन प्रसाद तिवारी, सुरेंद्र कुमार गोस्वामी, आनंद शुक्ला, राहुल गोस्वामी सहित भाजपा से किसान मोर्चा मीडिया प्रभारी ओंकार तिवारी सहित तमाम श्रद्धालु मौजूद रहे

महिला ने मारपीट की की तहरीर थाने में दी

अमर ख्याल ब्यूरो

कुरारा (हमीरपुर) थाना क्षेत्र के कंडोर गांव निवासी विधवा महिला ने सास ससुर व इनके दामाद के खिलाफ मारपीट कर परेशान करने व भैंस व बकरी खोलकर ले जाने की तहरीर थाने में देकर कार्यवाही करने की मांग की है। क्षेत्र के कंडोर गांव निवासी विधवा महिला आरती पत्नी स्वर्गीय कंचन लाल ने थाने में तहरीर देकर बताया कि मेरे पति की मौत सात वर्ष पहले हो चुकी है। मेरे एक बच्चा है। मेरे सास ससुर व इनका दामाद फतेहपुर जनपद निवासी मनीष तीनो मिलकर मारपीट करते हैं। तथा बीती शाम मनीष आधा दर्जन से अधिक साथियों के साथ मेरे घर में घुस गया।तथा मेरी बकरियों व एक भैंस को जबरन ले गया है।यह लोग आए दिन परेशान करते हैं। तथा सास ससुर कोई हिस्सा नही दे रहे हैं। मेरा बच्चा व में बीमार चल रहे हैं फिर भी यह लोग जबरन परेशान कर रहे हैं।पीड़ित महिला ने थाने तीनो के खिलाफ तहरीर देकर कार्यवाही किये जाने की मांग की है।

जंगल किनारे के गांवों में वन विभाग ने बंटवाए पर्चे

अमर ख्याल ब्यूरो

बहराइच । रुपईडीहा रेंज के बख्शी गांव फॉरेस्ट चौकी क्षेत्र में वन विभाग ने जंगल के किनारे के गांवों में पर्चियां बांट कर ग्रामीणों को जागरूक किया है। डीएफओ, एसडीओ, रेंजअधिकारी रुपईडीहा राशिद जमाल,डिप्टी रेंजर बिनय राना, अरसद खान वन दरोगा फॉरेस्ट गार्ड अनंतराम, ब्लाक प्रमुख जे. पी. शिंह ग्राम प्रधान प्रतिनिधि घनश्याम यादव सहित हल्का लेखपाल व वाचरो की टीम ने बख्शी गांव,पंडितपुरवा, बलचनपुर,शिवपुरा,साईं गांव, दौलतपुर,सहित बन क्षेत्र के किनारे किनारे बसे हुए ग्रामीणों को पर्ची दे कर जागरूक करते हुए अपील किया है कि वें जंगल में जानवर को चराने,लकड़ी बीनने, तथा जंगल के बीच के रास्तों पर न जाएं।खेतो में अथवा गांव के बाहर समूह में ही निकले ।

नगर पंचायत चुनाव नगर निकाय चुनाव को लेकर के कांग्रेस पार्टी ने कसी कमर

अमर ख्याल ब्यूरो

गोरखपुर । जनपद के नगर निकाय चुनाव को लेकर जिला कांग्रेस कमेटी व महानगर कांग्रेस कमेटी के तत्वाधान में संयुक्त बैठक हुई ,इस बैठक में नगर पंचायत चुनाव नगर निकाय चुनाव को लेकर के कांग्रेस पार्टी ने कमर कस ली है,साथ ही भारत जोड़ो यात्रा को लेकर 18 तारीख को गोरखपुर में रात्रि विश्राम यात्रा का रहेगा और 19 तारीख को सुबह शहीद स्थल चौरी चौरा से लेकर के यात्रा इंजीनियरिंग कॉलेज से गांधी प्रतिमा से सहजनवा होते हुए पीपीगंज तक होगा , मुख्य अतिथि आदरणीय प्रांतीय अध्यक्ष विधायक वीरेंद्र चौधरी के नेतृत्व में हजारों की संख्या में यात्रा निकलेगी और राज यात्री के लिए 100 लोगों का नाम चिन्हित कर प्रदेश में भेजा जाएगा, उनके वक्ताओं ने कहा कि आदमी चुनाव को देखते हुए भाजपा सरकार की नाकामी को हम जमीन पर दिखाते हुए,पूरे वार्ड में चुनाव लड़ाने का काम कांग्रेस पार्टी करेगी, तथा इस मामले में भाजपा सरकार पूरी तरह से फेल है, जमीन पर कुछ भी नहीं है जिससे वह जनता के बीच जा सके,राहुल गांधी की यात्रा को देखकर नरेंद्र मोदी घबराए हुए हैं, इस मीटिंग में नगर अध्यक्ष वार्ड अध्यक्ष ब्लॉक अध्यक्ष महानगर के सभी सम्मानित पदाधिकारी उपस्थित रहे ,महानगर अध्यक्ष आशुतोष तिवारी ने कहा कि भाजपा सरकार युवा विरोधी है कांग्रेसी राकेश राम त्रिपाठी प्रदेश सचिव दिलीप निषाद जिलाउपाध्यक्ष तौकीर आलम जिला उपाध्यक्ष महेंद्र नाथ मिश्रा, ब्लॉक अध्यक्ष रंभू पासवान नगर अध्यक्ष चंद्रशेखर उपाध्याय ,नगर अध्यक्ष सुभाष दास नगर अध्यक्ष हरीश चंद्र गुप्ता ,डॉक्टर प्रमोद पाल जिला सचिव महासचिव अनुराग पांडे, महानगर पिछड़ा वर्ग अशोक निषाद ,देवेंद्र निषाद ब्लॉक अध्यक्ष खजनी सूरज यादव ब्लॉक अध्यक्ष पाली ऋषि चंद गुप्ता दिनेश मौर्या गया प्रसाद ध्रुव चंद पासवान मनीष गौतम,निर्मला पासवान अध्यक्ष जिला कांग्रेस कमेटी गोरखपुर पदाधिकारी सहित कार्यकर्ता उपस्थित रहे

भारत नेपाल सीमावर्ती क्षेत्र में कच्ची शराब की तस्करी बड़े पैमाने पर जारी

नेपाल से तस्करी कर भारतीय क्षेत्र में लाई जा रही है कच्ची शराब

अमर ख्याल

रुपईडीहा (बहराइच) भारत नेपाल सीमावर्ती क्षेत्र में इस समय नेपाल से कच्ची शराब की तस्करी बड़े पैमाने पर की जा रही है। यह कच्ची शराब नेपाल से तस्करी कर भारतीय क्षेत्र के बाबागंज व आसपास के ग्रामीण क्षेत्रों में लाकर इस कच्ची शराब में यूरिया खाद व अन्य केमिकल मिलाकर तस्कर दूने रेट में बेच रहे है। जो ग्रामीणों के लिए जानलेवा साबित हो रहा है। भारतीय क्षेत्र में लगातार नेपाली कच्ची शराब पकड़ी जा रही है।फिर भी यह कच्ची शराब का धन्धा रुक नहीं पा रहा है। भारत नेपाल सीमा पर दोनों ओर तस्करी रोकने के लिए

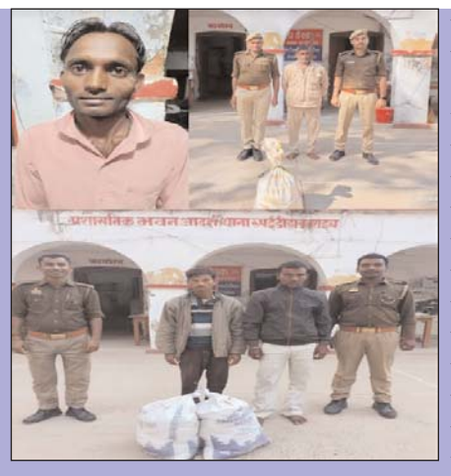

पुलिस,एसएसबी व अन्य सुरक्षा एजेंसियों के जवान तैनात हैं। फिर भी दिन प्रतिदिन यह धन्धा बढ़ता ही जा रहा है। इसी क्रम में थाना रुपईडीहा पुलिस ने 3 दिसंबर को 2 शराब तस्करों के पास से 40 लीटर कच्ची शराब बरामद किया है। इस संबंध में जानकारी देते हुए प्रभारी निरीक्षक श्रीधर पाठक ने बताया कि मेरे नेतृत्व में उ0नि0 कृष्ण कुमार सिंह अपने सहयोगी हे0का0अशोक प्रजापति, का0 लक्ष्मण कुमार व का0 दीपन्द विश्वकर्मा भगवानपुर करिंगा नहर पुलिया के पास गश्त कर रहे थे तभी दो संदिग्ध लोग दिखाई दिए जिन्हें रोक कर देखा गया तो पवन कुमार सोनकर उर्फ गुड्डू पुत्र मनीराम निवासी प्रह्लादगांव थाना रुपईडीहा व अनिल कुमार सोनकर पुत्र त्रिभुवन सोनकर निवासी वीरपुर दा0 सोरहिया थाना रुपईडीहा के पास से 20,20 लीटर कच्ची शराब बरामद हुई।

दोनों तस्करों को गिरफ्तार कर लिया गया। दोनों अभियुक्तों के विरुद्ध पुलिस ने स्थानीय थाना पर मुकदमा अपराध संख्या 461/2022 व 462/2022 धारा 60 उत्तर प्रदेश शुल्क आबकारी अधिनियम पंजीकृत किया गया। इसी प्रकार रुपईडीहा पुलिस ने 25 नवंबर को शराब तस्कर पवन कुमार पुत्र रामफेरन निवासी बसभरिया दा0 ? कलवारी थाना रुपईडीहा को 10 लीटर कच्ची शराब के साथ गिरफ्तार किया गया। इसके विरुद्ध धारा 60 उप्र शुल्क आबकारी अधिनियम की धाराओं में मुकदमा दर्ज किया गया। इसी तरह थाना रुपईडीहा पुलिस ने नेपाल से तस्करी करने वालो के विरुद्ध अभियान के क्रम में 24 नवंबर को बंशीलाल पुत्र स्व० छोटेलाल निवासी गोडियन पुरवा दा० अड़गोड़वा थाना रुपईडीहा को 20 लीटर अवैध कच्ची शराब के साथ गिरफ्तार किया। इस अभियुक्त के विरुद्ध धारा 60 उप्र शुल्क आबकारी अधिनियम के तहत मामला पंजीकृत किया गया।

अवैध मादक पदार्थ का तस्कर अभियुक्त को पुलिस ने किया गिरफ्तार

अवैध मादक पदार्थ तस्करो का कतई खैर नहीं,प्रभारी निरीक्षक

अमर ख्याल ब्यूरो

कटरा बाजार (गोण्डा)

जनपद के तेजतर्रार पुलिस अधीक्षक आकाश तोमर ने अपराध एवं अपराधियों के खिलाफ चलाये जा रहे अभियान में अवैध मादक पदार्थों की तस्करी व बिक्री मे संलिप्त अभियुक्तों के विरुद्ध कड़ी कार्यवाही करने के निर्देश जनपद के समस्त प्रभारी निरीक्षक/थानाध्यक्षो को कड़े निर्देश दिए, वही दूसरी तरफ थाना कटरा बाजार के थाना प्रभारी निरीक्षक चितवन कुमार ने पुलिस अधीक्षक के उपरोक्त कुशल निर्देशन में अवैध मादक पदार्थ तस्करी करने वाले को चिन्हित कर शीघ्र ही गिरफ्तारी करके सख्त से सख्त कठोर दंडात्मक त्वरित कार्यवाही कर तत्परता दिखाते हुए कहा कि अगर कोई भी अवैध मादक पदार्थ व नशीली दवाओं का तस्करी करता हुआ पाया गया तो तत्काल प्रभाव से शीघ्र ही गिरफ्तार करके सख्त से सख्त कठोर दंडात्मक त्वरित कार्यवाही कर माननीय न्यायालय भेज दिया जायेगा।थाना प्रभारी निरीक्षक चितवन कुमार ने पुलिस अधीक्षक के कुशल निर्देश अवैध मादक पदार्थ तस्करी करने वाले को चिन्हित कर शीघ्र ही गिरफ्तारी करने हेतु तत्काल प्रभाव टीम किया गठित,प्रभारी निरीक्षक चितवन कुमार के कुशल निर्देशन में कटरा बाजार पुलिस द्वारा क्षेत्र भ्रमण के दौरान अभियुक्त श्रीराम मिश्रा को गिरफ्तार कर उसके कब्जे से 01 किलो 400 ग्राम अवैध गाँजा बरामद किया गया। अभियुक्त के विरूद्ध थाना कटरा बाजार में एन0डी0पी0एस0 एक्ट के तहत अभियोग पंजीकृत कर विधिक कार्यवाही की गयी,अवैध मादक पदार्थ तस्कर को कटरा बाजार पुलिस ने गिरफ्तारी कर सफलता हासिल की गिरफ्तार कर्ता उ0नि0 सभाजीत सिंह मय टीम सहित मौजूद रहे

खाकी सुनेगी जनमानस की बात, क्षेत्रों में रुकेगी वारदात

दबंगों व उपद्रवियों के विरुद्ध होगी सख्त कार्यवाही , प्रभारी निरीक्षक

अमर ख्याल ब्यूरो

कटरा बाजार (गोण्डा) जनपद के तेजतर्रार पुलिस अधीक्षक आकाश तोमर ने अपराधियों व उपद्रवियों ,महिला सम्बधित अपराध व शोषण करने वाले के विरुद्ध त्वरित कार्यवाही करने हेतु जनपद के समस्त थाना प्रभारी निरीक्षक व थाना अध्यक्ष को कड़े निर्देश दिए,वही दूसरी तरफ थाना कटरा बाजार के थाना प्रभारी निरीक्षक चितवन कुमार ने पुलिस अधीक्षक के उपरोक्त कुशल निर्देशन में महिला सम्बधित अपराध व शोषण करने वाले अपराधियों और उपद्रवियों ,साइबर अपराध रोकथाम हेतु कानून एवं यातायात नियमों का उल्लंघन करने वाले को चिन्हित कर शीघ्र ही तत्काल प्रभाव से त्वरित कार्यवाही कर तत्परता दिखाते हुए कहा कि अगर कोई भी व्यकित कानून एवं यातायात नियमों का उल्लंघन और महिला सम्बधित अपराध व शोषण करने व उपद्रव उत्पन्न करता हुआ पाया गया तो तत्काल प्रभाव से शीघ्र ही गिरफ्तार कर-के सख्त से सख्त कठोर दंडात्मक त्वरित कार्यवाही कर माननीय न्यायालय भेज दिया जायेगा।थाना प्रभारी निरीक्षक चितवन कुमार ने भारी पुलिस कर्मी के क्षेत्रों व सार्वजनिक स्थलों और भेदभाव इलाकों पर

निरंतर लगातार पैदल फ्लैग रूट मार्च निकालकर समस्त आमजनमानस से जन-संवाद स्थापित कर शासन व पुलिस अधीक्षक ने महिलाएं व लड़कियों की मन की बात सुनकर महिलाएं व लड़कियों को आवश्यक दिशा

निर्देश नियम से अवगत कराकर जागरूक कर किया अलर्ट, थाना प्रभारी निरीक्षक चितवन कुमार पैदल गश्त के दौरान सभी जनमानस के बीच जन संवाद स्थापित कर कानून एवं शांति व्यवस्था कायम रखने की अपील करते हुए कहा कि अगर कोई भी कानून एवं शांति व्यवस्था भंग करने की मंशा रखता है तो उसके विरुद्ध सख्त से सख्त निरोधात्मक त्वरित कार्यवाही की जाएगी।इस पैदल फ्लेगरूट मार्च के दौरान थाना प्रभारी निरीक्षक चितवन कुमार ,उप निरीक्षक सभाजीत ,उप निरीक्षक साहेब कुमार, उप निरीक्षक विजय बहादुर, उप निरीक्षक सरफराज, उप निरीक्षक अमित कुमार,व आरक्षी सूर्य प्रकाश वर्मा ,सुरेश यादव ,शोभित पाल ,भानु प्रताप पांडे, चंद्रपाल, अखिलेश्वर शर्मा, आदित्य पांडे व महिला आरक्षी आरती शुक्ला ,सोनम ,महिमा मिश्रा, जया दीक्षित, संध्या मौर्य ,हिमांशी, रिशु समस्त पुलिसकर्मी सहित मौजूद रहे।

पिपरा दुर्गानगर में आयोजित राम विवाह में जमकर झूमे ग्रामवासी

अमर ख्याल

तुलसीपुर (बलरामपुर) तहसील तुलसीपुर अंतर्गत ग्राम पंचायत पिपरा दुर्गा नगर में दो दिवसीय धनुष यज्ञ और रामविवाह का कार्यक्रम संपन्न हुआ। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि व ग्राम प्रधान प्रतिनिधि विनय मिश्रा,नीरज मिश्रा के द्वारा भगवान श्री रामचंद्र के चित्र पर माल्यार्पण किया गया उसके बाद दीप प्रज्वलित कर फीता काटा गया विनय मिश्रा ने कहा कि भारतीय समाज में राम और सीता को आदर्श दंपत्ति (पति-पत्नी) का उदाहरण समझा जाता है। राम सीता का जीवन प्रेम, आदर्श, समर्पण और मूल्यों को प्रदर्शित करता है। दिव्यप्रकाश त्रिपाठी' चमन' ने कहा कि भगवान श्री रामचंद्र के आदर्श आज भी प्रासंगिक हैं। हमें उनके मार्गों पर चलने का अनुसरण करना चाहिए प्रत्येक व्यक्ति को अपने धर्म, संस्कृति और मयार्दा का सदैव पालन करते रहना चाहिए कथांश में, भरी सभा में राम के द्वारा धनुष भंग के पश्चात उपस्थित सभी राजा-महाराजा आश्चर्यचकित हुए। श्री रामचंद्र को सीता ने वरमाला डाला। वरमाला डालने के बाद भगवान परशुराम क्रोधित होकर मंडप में आए। और जोर-जोर से संवाद करने लगे। प्रत्युत्तर में लक्ष्मण ने उनको और क्रोधित कर दिया। तब राम ने कहा हे नाथ! शिवजी के धनुष को तोड़ने वाला कोई उनका ही दास होगा। परशुराम को तुरंत समझ में आ गया कि यह तो साक्षात नारायण हैं उसके बाद सभी लोगों ने गाजे-बाजे के साथ धूमधाम से राम विवाह का बारात निकाला। जिसे पूरे गांव में भ्रमण करवाया गया

कार्यक्रम का संचालन शिव कुमार कोटेदार व दीपू वर्मा के द्वारा किया गया कार्यक्रम में अध्यक्ष राम उजागर, रामसेवक मास्टर साहब, संजय गुप्ता, सोनू मिश्रा, रामेश्वर, गुरु वर्मा, झब्बू वर्मा,नमन आदि क्षेत्रीय कलाकारों ने बहुत ही सुंदर व मनोरम दृश्य प्रस्तुत कर ठंडक में भी सैकड़ों की संख्या में उपस्थित सभी दर्शकों का मनमोह लिया। जय श्री राम के नारों से पूरा वातावरण राममय हो गया

राहसलीला मे वृंदावन से पधारे कलाकारों ने दर्शकों को भाव विभोर किया

अमर ख्याल ब्यूरो

कुरारा (हमीरपुर) कस्बे में श्री रुद्र महायज्ञ के साथ हो रही राहसलीला में बृन्दावन धाम से पधारे कलाकारों द्वारा रविवार को माटी खावन की लीला से दर्शकों को भाव विभोर किया कस्बे में चल रही राहसलीला में रविवार को बृन्दावन धाम से पधारी राधे राधे बोल सरस्वती राहसलीला मंडल द्वारा दर्शकों को भगवान श्रीकृष्ण की माटी खावण की लीला दिखाई जिसमें दिखाया गया कि गोकुल के यमुना घाट पर कन्हैया ने माटी खाई जब यशोदा मईया ने कान पकड़े तो मुंह खोल कर भगवान द्वारा यशोदा मईया अखिल ब्रह्मांड के दर्शन करा दिए। कलाकारों ने उसी घाट के बारे में बताया कि

कान्हा की इस बाल लीला ने घाट को ब्रह्मांड घाट की पहचान दे दी यहां बने मंदिर में आज भी कान्हा को मिट्टी के लड्डू का भोग लगता है दर्शक लीला देख भाव विभोर हुए वही बीच बीच मे हास्य कलाकारों द्वारा मौजूद माताओ बहनों व बच्चो को हसाया जिससे बच्चो का भी खूब मनोरंजन हुआ वही हो रही यज्ञ में लोगो ने परिक्रमा कर पुण्य भी बटोरा व लगे मेले में जमकर खरीदारी भी की

वैश्विक स्तर पर नए प्रतिमान स्थापित कर रहा भारत: मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ

विश्व की पांचवीं सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था बनना भारत की बढ़ती प्रतिष्ठा का प्रमाण

गोरखपुर

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा कि आजादी के अमृत महोत्सव में अपना देश सकारात्मक दिशा में आगे बढ़ते हुए वैश्विक स्तर पर नए-नए प्रतिमान स्थापित कर रहा है। 135 करोड़ की विशाल आबादी का अपना भारत देश पर दो सौ साल तक शासन करने वाले ब्रिटेन को पछाड़कर विश्व की पांचवीं सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था बन चुका है। यह वैश्विक मंच पर भारत की बढ़ती प्रतिष्ठा का प्रमाण है। सीएम योगी रविवार को महाराणा प्रताप शिक्षा परिषद के 90वें संस्थापक सप्ताह समारोह के शुभारंभ कार्यक्रम की अध्यक्षता कर रहे थे। महाराणा प्रताप इंटर कॉलेज परिसर में आयोजित समारोह में मुख्यमंत्री ने कहा कि गत एक दिसंबर को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने विश्व के 80 फीसद संसाधनों का नेतृत्व करने वाले 20 देशों के समूह जी-20 का नेतृत्व प्राप्त किया। नेतृत्वकर्ता के रूप में अपना देश पूरे विश्व का मार्गदर्शन करेगा। उन्होंने कहा कि भारत के बढ़ते नेतृत्व के साथ उसके कोरोना प्रबंधन मॉडल की भी सदैव चर्चा होती रहेगी। पूरी दुनिया जब कोरोना से त्रस्त थी तब नागरिक हितों के प्रति अपनी ईमानदार प्रतिबद्धता का निर्वहन करते हुए भारत देश हित में नई नई योजनाएं बना रहा था। मुख्यमंत्री ने कहा इसी अवधि में राष्ट्रीय शिक्षा नीति घोषित कर प्रधानमंत्री ने देश के सामने एक बडा लक्ष्य रखा। यह शिक्षा नीति सर्वांगीण विकास का पथ प्रशस्त करती है। सभी शिक्षण संस्थान राष्ट्रीय शिक्षा नीति से जुड़कर खुद को समाज व राष्ट्र के प्रति दायित्वों के निर्वहन के लिए तैयार करें। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा कि देश को विश्व की नम्बर एक तथा प्रदेश को देश में नम्बर एक अर्थव्यवस्था बनाने की जिम्मेदारी सिर्फ सरकार की नहीं है, नागरिकों को भी इसमें अपने दायित्वों का निर्वहन करते हुए योगदान देना होगा। इसके लिए कृषि, शिक्षा, प्रौद्योगिकी आदि सभी क्षेत्रों में रिसर्च एंड डेवलपमेंट तथा स्टार्टअप्स पर ध्यान देना होगा। उत्तर प्रदेश में असीम संभावनाएं हैं। यह कृषि प्रधान राज्य है। यहां की भूमि सबसे उर्वर है, प्रचुर जल संसाधन हैं। यहां की प्रगति को डबल डिजिट में लाकर अर्थव्यवस्था को और अच्छा बनाया जा सकता है। सीएम योगी ने पूर्व राष्ट्रपति डॉ एपीजे अब्दुल कलाम तथा पूर्व एयर चीफ मार्शल आरकेएस भदौरिया का उदाहरण देकर विद्यार्थियों को प्रेरित किया। उन्होंने कहा कि हार के बाद भी जो हार नहीं मानता, वह नई प्रेरणा बन जाता है। इसलिए अच्छा स्थान न पाने वालों को भी प्रोत्साहित करने की आवश्यकता है। उन्होंने संस्थानों को सिर्फ शिक्षण तक ही सीमित न रहने तथा विद्यार्थियों से प्रतियोगी गतिविधियों में भी शामिल होने की अपील की। सीएम योगी ने विद्यार्थियों को जीवन में अनुशासन का महत्व समझाते हुए कहा कि जिसके जीवन में अनुशासन नहीं होगा वह कभी लक्ष्य नहीं प्राप्त कर सकता। अनुशासनहीन व्यक्ति का जीवन पेंडुलम की भांति होता है। अनुशासन की महत्ता को समझते हुए महाराणा प्रताप शिक्षा परिषद के संस्थापक सप्ताह का शुभारंभ अनुशासन पर्व से होता है। मुख्यमंत्री ने कहा कि महाराणा प्रताप शिक्षा परिषद की स्थापना ब्रह्मलीन महंत दिग्विजयनाथ ने उस कालखंड में की जब देश आजादी की लड़ाई लड़ रहा था। कई लोगों के मन में यह सवाल था कि आजादी मिलेगी भी या नहीं। पर, एक सन्यासी-एक योगी कभी नकारात्मक भाव के साथ नहीं रहता। पुरुषार्थ व कर्म पथ पर आगे बढ़ते हुए परिणाम की चिंता नहीं करता। 1932 में महाराणा प्रताप शिक्षा परिषद की रूपरेखा आजादी की लड़ाई और आजाद भारत 8 जरूरतों के अनुरूप बनाई गई। ब्रह्मलीन महंत दिग्विजयनाथ ने परिषद की स्थापना विदेशी आक्रांताओं के खिलाफ शौर्य एवं पराक्रम के प्रतिमान महाराणा प्रताप के नाम पर की थी। लक्ष्य था आजाद भारत और माध्यम था महाराणा प्रताप का शौर्य व पराक्रम। उन्होंने कहा कि पूर्वी उत्तर प्रदेश में शैक्षिक पुनर्जागरण की दृष्टि से सुयोग्य नागरिकों की अच्छी टीम खड़ी करने के लिए ब्रह्मलीन महंत दिग्विजयनाथ ने महाराणा प्रताप शिक्षा परिषद की स्थापना की और उनके बाद ब्रह्मलीन महंत अवेद्यनाथ ने इसे पुष्पित पल्लवित किया। अगले 10 साल बाद यह परिषद स्थापना का शताब्दी समारोह मना रहा होगा। संस्थापकों की महाराणा प्रताप शिक्षा परिषद संस्थापक सप्ताह समारोह के शुभारंभ अवसर पर बतौर मुख्य अतिथि उपस्थित भारतीय वायुसेना के पूर्व एयर चीफ मार्शल आरकेएस भदौरिया ने कहा कि वर्तमान समय में अपना देश हर क्षेत्र में तेजी से प्रगति कर रहा है।

दबंगों को सिखाओ सबक, गरीबों के बनवाओ मकान : योगी

गोरखपुर

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने अधिकारियों को निर्देशित किया है कि जमीन पर अवैध कब्जा करने वालों को करारा सबक सिखाया जाए। साथ ही गरीबों और जरूरतमंदों के मकान बनवाए जाएं। अधिकारी जन कल्याण के कार्यों को सदैव प्राथमिकता पर रखें और हर पीड़ित की समस्या का त्वरित निस्तारण करना सुनिश्चित करें। सीएम योगी में ये निर्देश रविवार को गोरखनाथ मंदिर में आहूत जनता दर्शन के दौरान फरियादियों की समस्याएं सुनते हुए दिए। मंदिर परिसर स्थित महंत दिग्विजयनाथ स्मृति सभागार के सामने आयोजित जनता दर्शन में मुख्यमंत्री कुर्सियों पर बैठाए गए लोगों तक खुद पहुंचे। सबकी समस्याओं को सुनते हुए आश्वस्त किया हर समस्या का निस्तारण किया जाएगा। जनता दर्शन में मुख्यमंत्री ने करीब दो सौ लोगों की फरियाद सुनी। इसमें बड़ी संख्या महिलाओं की रही। इस दौरान एक महिला ने आवास की समस्या बताई। इस पर मुख्यमंत्री ने तुरंत जिलाधिकारी को निर्देशित किया कि महिला को मकान उपलब्ध कराया जाए। जमीन कब्जा करने की शिकायतों पर उन्होंने कहा कि ऐसे मामलों में कड़ी कानूनी कार्यवाही सुनिश्चित की जाएगी। इलाज में आर्थिक सहायता की गुहार वाले फरियादियों को सीएम ने भरोसा दिलाया कि पैसे के अभाव में किसी इलाज नहीं रुकने पाएगा। जनता दर्शन में अपने परिजनों के साथ आए बच्चों को दुलारते हुए मुख्यमंत्री ने उन्हें आशीर्वाद देते हुए चॉकलेट दिया।

सीतापुर में डालमिया भारत ग्रेन आसवनी हुआ उद्घाटन

लखनऊ

अपर मुख्य सचिव आबकारी, चीनी उद्योग एवं गन्ना विकास संजय आरण भूसरेड्डी द्वारा जनपद सीतापुर में नवस्थापित अनाज आधारित डालमिया भारत येन बेस आसवनी, जवाहरपुर सीतापुर का उद्घाटन किया गया। यह आसवनी पूर्णतया अनाज पर आधारित है, जिसके संचालित होने से कृषकों को लाभ होगा।अपर मुख्य सचिव ने अवगत कराया कि उत्तर प्रदेश राज्य में 30 नई आसवनियाँ स्थापित होने से कुल 98 आसवनियाँ संचालित होने लगी है, जिससे वर्तमान में प्रदेश में एथनाल उत्पादन क्षमता 54 करोड़ ठस् से बढ़कर 200 करोड़ वार्षिक हो गयी है, अपर मुख्य सचिव आबकारी संजय आर. भूसरेड्डी द्वारा विभाग की गहन समीक्षा बैठक की गयी उपस्थित अधिकारियों को लक्ष्य के सापेक्ष शत-प्रतिशत राजस्य प्राप्त करने के निर्देश दिये गये विदेशी मदिरा के उपभोग में आपेक्षित वृद्धि न होने पर असन्तोष व्यक्त किया गया तथा उपस्थित अधिकारियों को आबकारी दुकानों के सघन निरीक्षण का निर्देश दिया गया। विभिन्न आसवनियों में इण्डेण्ट लगाने के निर्देश दिये गये जिससे जनपद में देशी शराब की ब्राण्ड मोनोपोली पर निर्भरता न हो। बैठक में प्रवर्तन कार्यवाही पर असन्तोष व्यक्त करते हुये क्षेत्रीय आबकारी निरीक्षकों को निर्देश दिया गया कि नियमित रूप से प्रभावी प्रवर्तन कार्यवाही करना सुनिश्चित करें तथा अन्य प्रान्तों से तस्करी कर लाई जा रही अवैध मदिरा की रोकथाम करने हेतु राजमार्ग/लिंक रोड पर नियमित रोड चेकिंग किया जाय तथा विशेष रूप से अवैध शराब के कारोबार/तस्करी में संलिप्त व्यक्तियों के विरुद्ध कठोर कार्यवाही की जाय। अवैध मदिरा बरामद होने पर सम्बन्धित निर्माता आसवनियों एवं उनके प्रबन्धको तथा शराब माफियाओं के विरुद् तथ्य समाहित करते हुये कठोर धाराओं के अन्तर्गत एफआईआर दर्ज कराने के निर्देश दिये गये। बैठक में उपस्थित सभी आबकारी निरीक्षकों को सम्बन्धित उप जिलाधिकारी पुलिस क्षेत्राधिकारी से तत्काल सम्पर्क कर अवैध शराब कारोबारियों के विरुद्ध जनपद में विशेष अभियान चलाने के निर्देश दिये गये तथा समीक्षा बैठक में उपस्थित आबकारी अधिकारियों को अधिक से अधिक बार अनुज्ञापन, माइक्रो बेवरिज, होम बार लाइसेंस प्राप्त करने हेतु प्रयास करने के निर्देश दिये गये।

वन विभाग की लापरवाही, सूख रहे करोड़ों की लागत से लगाए पेड़

बिजनौर

सरकार तरह-तरह की योजनाएं लाती है और उन योजनाओं को विभाग के अधिकारी कर्मचारी ही पलीता लगा देते हैं। ऐसा ही मामला वन विभाग बिजनौर का सामने आया है जहाँ लाखों रुपए लगाकर पौधों को लगाया जाता है और पौधा रोपण के बाद उन पौधों को सड़कों के किनारे या बंजर जमीनों पर लगाया गया। कई लाख पौधे मुख्यमंत्री आदित्यनाथ योगी की योजना का हिस्सा तो बने लेकिन विभाग की लापरवाही के चलते वह पेड़ सूख गए। क्योंकि पेड़ लगाने का श्रेय तो अधिकारियों ने हासिल कर लिया लेकिन उन पेड़ों की देखरेख के लिए जो बजट आया वह उसे निगल गए। एक चौकीदार 25 बीघा जमीन हजारों पेड़ की देखभाल के लिए छोड़ा गया उसके लिए भी विभाग ने 5 हजार रुपए की सैलरी उपलब्ध नहीं कराई। यह मामला मालन नदी के पास का है जहां पर मुख्यमंत्री आदित्यनाथ योगी दीपावली से पहले जनपद बिजनौर दौरे पर आए थे। जहां उन्होंने पुलिस लाइन का भी उद्घाटन किया था। उनहोंने कहा कि वही 25 बीघा जमीन में वन विभाग ने अलग-अलग प्रजाति के पौधों को लगाया गया। इन पौधों की कीमत कई लाख रुपया की आती जाती है लेकिन विभाग की लापरवाही के चलते बिना पानी के ही लगाए गए पेड़ सूख गए। जो पेड़ लगाए गए और जो पेड़ सूख गए थे उनके स्थान पर अलग-अलग प्रजाति के पेड़ों को दोबारा से लगाया गया।

नगर पंचायत में करोड़ों के घोटाले को दबा दिया गया पैसों के बल पर

बिजनौर

लगातार हो रहे भ्रष्टाचार में नगर पालिका और नगर पंचायत भी पीछे नहीं है। करोड़ों रुपए गमन कर अधिकारी अपना स्थानांतरण करा लेते है। ऐसा ही मामला नगर पंचायत मण्डावर के द्वारा कराए गए कार्यों में करोड़ों रुपए के घोटाले का मामला प्रकाश में आया है। यह मामला समाजवादी पार्टी के नेता और सभासद की पत्नी के कार्यकाल सन 2012 से 17 तक के बीच का बताया गया है। खास बात यह है कि इसमें तत्कालीन जिलाधिकारी, मुख्य विकास अधिकारी, चार अधिशासी अधिकारियों और तीन ठेकेदारों की शिकायत मुख्यमंत्री से करते हुए सीबीआई जांच की मांग शिकायत कर्ता ने की है। मामला अंत्येष्टि स्थल, कान्हा पशु आश्रय स्थल के निर्माण और प्रकाश पब्लिक स्कूल से मंडी समिति तक इंटर लॉकिंग की जगह पक्की सड़क निर्माण से जुड़ा हुआ है। सभी में घोर अनियमितता कर शासन को कई करोड़ रुपए के राजस्व की क्षति पहुंचाई गई। शिकायतकर्ता द्वारा मुख्यमंत्री को दिनांक 02 फरवरी 2019 एवं भाजपा सांसद भारतेन्द्र सिंह को अवगत कराया गया कि समाजवादी पार्टी के नेता और सभासद की पत्नी के कार्यकाल सन 2012 से 17 तक के बीच घोटालों और अनियमितताओं की जांच की।

समाज को जागरूक करने में प्रबुद्धजन की बड़ी भूमिका

गोरखपुर/लखनऊ

सीएम योगी आदित्यनाथ ने कहा कि आम समाज को जागरूक करने में प्रबुद्धजनों की बड़ी भूमिका होती है। आज यूपी व गोरखपुर विकास-सुशासन के जिस नित नए प्रतिमान को स्थापित कर रहा है, उसमें प्रबुद्ध जनों द्वारा जनजागरण से जुड़ने की भूमिका का निर्वहन किया गया। उसी का परिणाम है कि देश में यूपी की छवि बदली है। यूपी बीमारू राज्य से हटकर विकसित राज्य की तरफ होते हुए नंबर एक अर्थव्यवस्था की तरफ तेजी से बढ़ रहा है। प्रदेश देश की अर्थव्यवस्था को ग्रोथ इंजन के रूप में तैयार करता है तो आने वाले समय में नौकरी व रोजगार के लिए नौजवानों को दूसरे प्रदेश व देश में नहीं जाना पड़ेगा, बल्कि वहां के लोगों को यहां आना पड़ेगा। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने रविवार को महंत दिग्विजयनाथ पार्क में प्रबुद्धजन सम्मेलन में उपस्थित लोगों को संबोधित किया। इस दौरान उन्होंने बटन दबाकर 950 करोड़ की 4 बड़ी परियोजनाओं का शिलान्यास भी किया। सीएम ने कहा कि सकारात्मक ऊर्जा हमेशा आगे बढ़ाती है। इसी का परिणाम है कि सुशासन व बेहतर कानून व्यवस्था के जरिए निवेश, पर्यटन, आर्थिक समेत सभी क्षेत्र में विकास के लिए प्रदेश ने खुद को स्थापित किया है। गोरखपुर इसका उदाहरण है। गोरखपुर की छवि 10 साल पहले क्या थी। शासन से सदा उपेक्षित था। कानून व्यवस्था, गोरखपुर की छवि, जनता को मिलने वाली बिजली, सड़कें, कनेक्टिविटी की सुविधा ठीक नहीं थी। कोई यहां निवेश नहीं करना चाहता था। गोरखपुर के नाम से लोगों में भय होता था पर पांच साल में आपने गोरखपुर की बदली छवि को देखा है। अब गोरखपुर का नाम लेने से सम्मान का भाव प्रदर्शित होता है। इसे बनाए और बरकरार रखने, अभिवृद्धि करने का दायित्व हर नागरिक पर है। मेरा नगर, कस्बा, गांव, प्रदेश व देश इस सम्मान के लिए सदैव लोगों की जुबान पर रहे। सीएम ने कहा कि 1990 में यहां खाद कारखाना बंद हो गया था। पूर्वी उप्र का एकमात्र बीआरडी मेडिकल कॉलेज को विपक्षी सरकार कबका यहां से हटवा दी होती। डबल इंजन की सरकार में अब गोरखपुर में न सिर्फ कारखाना चल चुका है बल्कि 105 फीसदी उर्वरक उत्पादन से भी जुड़ा है। पीएम के विजनरी नेतृत्व में कमोबेश रसायन की पूर्ति भी की जा रही। पिछली सरकारों में बंद पड़े उर्वरक कारखानों को फिर से चलाया गया। आज मेडिकल कॉलेज की तस्वीर बदल चुकी है। मेडिकल कॉलेज के साथ एम्स ने भी बेहतरीन तरीके से सेवाएं देना प्रारंभ कर दिया। शिक्षा के बेहतरीन हब के रूप में गोरखपुर स्थापित हो रहा है। अकेले गोरखपुर में 4-4 विश्वविद्यालय हैं। कनेक्टिविटी अच्छी हुई है। लखनऊ-गोरखपुर, गोरखपुर-आमजगढ़-अंबेडकर होते हुए लखनऊ की नई कनेक्टिविटी मिल रही है। गोरखपुर-वाराणसी की बेहतर कनेक्टिविटी हो चुकी है। पहले 6-7 घंटे लगते थे, अब वह दूरी ढाई से 3 घंटे में पूरी कर सकते हैं। नेपाल की कनेक्टिवटी सुधारी गई। गोरखपुर से देवरिया-कुशीनगर की कनेक्टिविटी के साथ ही ट्रेन व वायु सेवाओं की कनेक्टिविटी में भी काफी सुधार हुआ। बुनियादी सुविधाओं में सुधार हुआ। मेडिकल कॉलेज, सोनौली मार्ग को फोरलेन से जोड़ा गया। देवरिया मार्ग को फोरलेन बनाने का शिलान्यास कर रहे हैं। आजाद चौक व रुस्तमपुर से जोड़ते हुए 6 लेन का फ्लाईओवर बनेगा। देवरिया बाईपास के लिए 2 लेन का फ्लाईओवर बनेगा। इससे जाम की समस्या का समाधान हो जाएगा। सिंगल लेन को 2 लेन, 2 लेन को 4 लेन, 4 लेन को 6 लेन बनाने का कार्य हो रहा है। इंसेफेलाइटिस के लिए न सिर्फ बेहतरीन सेंटर दिए गए, बल्कि स्वच्छ भारत मिशन, नमामि गंगे परियोजनाओं से इसके कारणों का समाधान किया जा रहा है। सीएम ने कहा कि रामगढ़ताल में रवि किशन जैसे अभिनेताओं के लिए शूटिंग के बेहतर केंद्र बन गए हैं। मुंबई से यहां पूरी यूनिट को लाकर अन्य कई भाषाओं की फिल्म की भी शूटिंग हो रही है। पिछले दिनों मलयालम भाषा के निर्देशक मिले थे। वे गोरखपुर आकर शूटिंग करने के साथ स्थानीय कलाकारों को मौका व रोजगार दे रहे हैं। गोरखपुर को फिल्म सिटी व पर्यटन के रूप में विकसित करने में योगदान दे रहे हैं। सीएम ने बताया कि गोरखपुर शहरी क्षेत्र में 32 हजार गरीबों को पीएम आवास, 29 हजार पटरी व्यवसाइयों को ब्याज फ्री लोन मिला। गोरखपुर में रोजगार के लिए व्यापक निवेश हो रहा है। आसपास के क्षेत्रों में पहले व्यापक जलजमाव होता था, इससे मुक्ति के लिए अभियान चलाए गए। घघसरा, उनवल, उरुवा, कैंपियरगंज समेत कई नए नगर निकाय बनाए गए। यहां के विकास व रोजगार के लिए सरकार ने तमाम कदम उठाए। सीएम ने आमजन का भी आह्वान किया कि इस सकारात्मक अभियान के लिए राजनीति व स्वार्थ से उठकर परमार्थ के लिए कार्य करें। परमार्थ से जुड़ना हर किसी के लिए पुण्यदायी हो सकता है। सीएम ने आह्वान किया कि हम सभी को जनपद, प्रदेश व देश को बढ़ाने का प्रयास करना चाहिए। सरकार 10 से 12 फरवरी तक यूपी में ग्लोबल इन्वेस्टर्स समिट (जीआईएस) का आयोजन करने जा रही है। 10 लाख करोड़ से अधिक के निवेश और उसके जरिए एक लाख युवाओं को रोजगार व नौकरी से जोड़ने का लक्ष्य रखा गया है। पीएम मोदी ने मिशन रोजगार के तहत कार्यक्रम शुरू किए। अग्निवीर कार्यक्रम प्रारंभ हो चुके हैं। प्रदेश सरकार 5 लाख युवाओं को नौकरी दे चुकी है।

'पहचान' बताने में सीबीएसई से आगे निकला यूपी बोर्ड

लखनऊ

उत्तर प्रदेश की योगी सरकार न सिर्फ प्रदेश के प्रत्येक छात्र तक बिना भेदभाव गुणवत्तापूर्ण शिक्षा उपलब्ध कराने के लिए प्रयासरत है, बल्कि वह शैक्षिक संस्थानों में पारदर्शिता की भी हिमायती है। मुख्यंत्री योगी की इसी मंशा के अनुरूप माध्यमिक विद्यालय नवीनीकरण मिशन के तहत यूपी बोर्ड ने प्रदेश में संबद्ध 28 हजार से अधिक स्कूलों का वेबपेज अपनी वेबसाइट पर पहचान नाम से अपलोड किया है। अधीन शिक्षा प्रदान कर रहे स्कूलों की पहचान बताने के मामले में यूपी बोर्ड ने सीबीएसई को भी पीछे छोड़ दिया है। यूपी बोर्ड ने पहचान लिंक के माध्यम से स्कूलों की जितनी जानकारी उपलब्ध कराई है, उतनी सूचनाएं सीबीएसई या अन्य किसी बोर्ड की वेबसाइट पर भी उपलब्ध नहीं हैं। उल्लेखनीय है कि स्कूलों के वेब पेज बनवाने का काम मुख्यमंत्री योगी की 100 दिन की कार्ययोजना में भी सम्मिलित था। उत्तर प्रदेश में कुल 28 हजार से अधिक स्कूल यूपी बोर्ड से संबद्ध हैं। इनमें 20875 वित्त विहीन, 4528 सहायता प्राप्त और 2332 राजकीय विद्यालय शामिल हैं। यूपी बोर्ड की वेबसाइट पर अपलोड किए गए इन स्कूलों के वेब पेज का उद्देश्य छात्रों एवं अभिभावकों को उनके क्षेत्र के स्कूलों के विषय में जानने-पहचानने का अवसर देना है। यहां स्कूल से जुड़ी लगभग हर जानकारी उपलब्ध है। स्कूल की मान्यता का वर्ष, गूगल लोकेशन, जिला मुख्यालय से दूरी, छात्रों को मिलने वाली सुविधाएं, छात्रों एवं शिक्षकों की संख्या, बीते 5 वर्ष की बोर्ड परीक्षा के नतीजे इसमें शामिल हैं।

गीता से मिलती है निष्काम कर्म की प्रेरणा: सीएम योगी

गोरखपुर

मानवीय जीवन की व्यवस्था में गीता वह पावन ग्रन्थ है जिससे क्षेत्र, भाषा, जाति, मत, मजहब से परे सभी लोगों को निष्काम कर्म की प्रेरणा मिलती है। दुनिया में अनेक ग्रन्थ रचे गए लेकिन गीता युद्धक्षेत्र में भगवान के श्रीमुख से रचित वह ग्रन्थ है जो देश, काल, परिस्थितियों से ऊपर उठकर चराचर जगत के कल्याण का मार्ग प्रशस्त करता है। यह आने वाली पीढ़ी के लिए अमर वाक्य बनकर प्रेरणा देने का सार्वभौमिक ग्रंथ है। यह कहना है मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ का। वह रविवार शाम गीता प्रेस में आयोजित गीता जयंती समारोह को बतौर मुख्य अतिथि संबोधित कर रहे थे। उन्होंने कहा कि हर व्यक्ति अपनी प्रकृति के अनुरूप गीता के मंत्रों को अंगीकार करता है। पर, वास्तव में गीता से हमें यह प्रेरणा प्राप्त होती है कि सभी समस्याओं का समाधान निष्काम कर्म करने से ही संभव है। यदि हम अपना काम स्वयं न करके या किए गए कार्य से अधिक की अपेक्षा करेंगे तो किसी न किसी दूसरे के हक पर डकैती होगी।

समारोह *ब्रह्मलीन महंत अवैद्यनाथ स्मृति अखिल भारतीय प्राइजमनी कबड्डी प्रतियोगिता का समापन समारोह*

खेलों के विकास, खिलाड़ियों के प्रोत्साहन को प्रदेश सरकार प्रतिबद्ध

गोरखपुर

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की मंशा के अनुरूप और उनके मार्गदर्शन में प्रदेश सरकार खेलों के विकास एवं खिलाड़ियों के भरपूर प्रोत्साहन के लिए प्रतिबद्ध है। इसके लिए धन की कोई कमी है। खेल व खिलाड़ियों को आगे बढ़ाने के लिए प्रदेश में बड़े पैमाने पर संसाधन मजबूत किए जा रहे हैं। ओलंपिक, एशियन गेम्स, कॉमनवेल्थ आदि प्रतियोगिताओं में पदक विजेता प्रदेश के खिलाड़ियों को नकद पुरस्कार राशि देने के साथ उनको राजपत्रित अधिकारी के रूप में नियुक्ति पत्र वितरण की प्रक्रिया प्रख्यापित है। खिलाड़ी शासन से मिल रही सुविधाओं और अपनी खेल भावना से प्रदेश में खेल के माहौल को और समृद्ध करें। सीएम योगी रविवार को ब्रह्मलीन महंत अवेद्यनाथ स्मृति अखिल भारतीय प्राइजमनी कबड्डी प्रतियोगिता के समापन-पुरस्कार वितरण समारोह को संबोधित कर रहे थे। उन्होंने कहा कि प्रदेश में खेल के प्रति रुचि बढ़ाने के लिए सरकार ने कई कदम उठाए हैं। इसके तहत हर गांव में खेल के मैदान व ओपन जिम विकसित किए जा रहे हैं। जिला स्तर पर स्टेडियम व मिनी स्टेडियम बने हैं। वर्तमान में उत्तर प्रदेश में 77 स्टेडियम, 68 बहुउद्देश्यीय स्पोर्ट्स हाल, 39 तरणताल, 2 इंटरनेशनल क्रिकेट स्टेडियम, 14 सिंथेटिक हॉकी मैदान, 36 जिम, 3 सिंथेटिक रनिंग ट्रैक, 19 डोरमेट्री, 16 बास्केटबॉल स्टेडियम, 11 कुश्ती हाल, 11 वेटलिफ्टिंग हाल बनाए जा चुके हैं। तीन स्पोर्ट्स कॉलेज व 44 क्रीड़ा छात्रवासों के जरिये 16 प्रकार के खेलों का प्रशिक्षण दिया जा रहा है। राष्ट्रीय चैंपियनशिप के लिए खिलाड़ियों का भत्ता 1000 रुपये से बढ़ाकर 2500 रुपये कर दिया गया है। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा कि 1994 से स्पोर्टस होस्टल के विभिन्न मदों की व्यय राशि को कभी बढाया नहीं गया था। इसे बढ़ाने के साथ ही खिलाड़ियों की डाइट मनी 250 रुपये से बढ़ाकर 375 रुपये प्रतिदिन कर दी गई है। अंतरराष्ट्रीय स्तर के खिलाड़ी तैयार हों, इसके लिए 1.50 लाख रुपये के मानदेय पर 50 अंतरराष्ट्रीय खिलाड़ियों को बतौर प्रशिक्षक आबद्ध किया गया है। इसी क्रम में खिलाड़ियों के लिए अनुदान राशि में बढ़ोतरी करने के साथ ही एकलव्य क्रीड़ा कोष की स्थापना की गई है। खेल को बढ़ावा देने के लिए खेल विकास एवं प्रोत्साहन नियमावली 2020 को प्राख्यापित करते हुए इस वित्तीय वर्ष में 8.55 करोड़ रुपये की व्यवस्था की गई है। इसके तहत तहसील स्तर की प्रतियोगिताओं के लिए 60 हजार, जिला स्तर की प्रतियोगिताओं के लिए 5 लाख तथा मंडल स्तर की प्रतियोगिताओं के लिए राज्य सरकार 15 लाख रुपये का अनुदान देने की व्यवस्था की गई है। मेरठ में मेजर ध्यानचंद के नाम पर प्रदेश के पहले स्पोर्ट्स विश्वविद्यालय का निर्माण तीव्र गति से हो रहा है। उन्होंने कहा कि एक जिला एक खेल योजना के तहत खेलो इंडिया सेंटर की स्थापना की प्रक्रिया को आगे बढ़ाया जा रहा है। इसी क्रम में दिव्यांग खिलाड़ियों को भी हर प्रकार की सुविधा व सहायता उपलब्ध कराई जा रही है। सीएम योगी ने कहा कि ओलंपिक, एशियन गेम्स, कामनवेल्थ में पदक विजेता प्रदेश के खिलाड़ियों को भारी पुरस्कार राशि दिए जाने की व्यवस्था की गई है। ओलंपिक एकल स्पर्धा में गोल्ड मेडलिस्ट को 6 करोड़, रजत पदक विजेता को 4 करोड़ तथा कांस्य पदक विजेता को 3 करोड़ रुपये दिए जाएंगे। ओलंपिक की टीम स्पर्धा में यह राशि क्रमशः 3, 2 व 1 करोड़ होगी। एशियन गेम्स के स्वर्ण पदक विजेता को 3 करोड़, रजत पदक विजेता को 1.5 करोड़ तथा कांस्य पदक विजेता को 75 लाख रुपये का पुरस्कार दिया जाएगा। कामनवेल्थ खेल तथा विश्व चैंपियनशिप में स्वर्ण पदक विजेता को 1.5 करोड़, रजत पदक विजेता को 75 लाख व कांस्य पदक विजेता को 50 लाख रुपये दिए जाएंगे। इसी तरह सैफ खेलों में एकल स्पर्धा में स्वर्ण पदक विजेता को 6 लाख, रजत पदक विजेता को 4 लाख तथा कांस्य पदक विजेता को 2 लाख रुपये मिलेंगे। टीम स्पर्धा में यह धनराशि क्रमशः 2 लाख, 1 लाख व 50 हजार रुपये होगी। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने बताया कि ओलंपिक में प्रतिभाग करने वाले प्रदेश के खिलाड़ियों को 10 लाख तथा एशियन गेम्स व कामनवेल्थ में प्रतिभाग करने वाले खिलाड़ियों को 5-5 लाख रुपये की प्रोत्साहन राशि दी जाएगी। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा कि अर्जुन पुरस्कार, द्रोणाचार्य पुरस्कार, खेल रत्न व खेल के क्षेत्र में पदम् पुरस्कार हासिल करने वाले प्रदेश के खिलाड़ियों के लिए सरकार ने प्रतिमाह 20 हजार रुपये वित्तीय सहायता की व्यवस्था की है।

बॉलीवुड ...

कश्मीर फाइल्स पर लापिड के बयान पर सुदीप्तो सेन ने तोड़ी चुप्पी

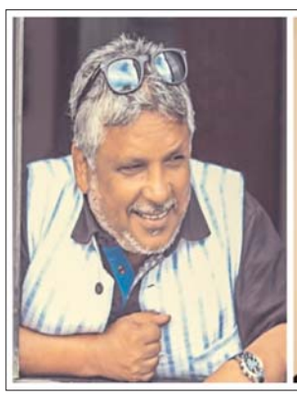

हाल ही में गोवा में आयोजित हुए इंटरनेशनल फिल्म फेस्टिवल ऑफ इंडिया (आईएफएफआई) के समापन दिवस पर इस्राइल के फिल्मकार नादव लापिड का एक बयान खूब चर्चा में रहा। लापिड का यह बयान विवेक अग्निहोत्री की फिल्म द कश्मीर फाइल्स पर था। दरअसल, लापिड ने कश्मीर फाइल्स को प्रोपेगेंडा फिल्म करार दिया। इसके बाद उनके बयान पर खूब हंगामा हुआ। आईएफएफआई के अन्य जूरी सदस्य सुदीप्तो सेन ने भी लापिड के बयान से किनारा किया था। एक बार फिर सुदीप्तो सेन ने लापिड के बयान पर प्रतिक्रिया देते हुए इसे अनैतिक कहा है। कश्मीरी पंडितों के नरसंहार को उजागर करने वाली फिल्म द कश्मीर फाइल्स पर नादव लापिड के बयान पर खूब हंगामा हुआ था। बॉलीवुड के मशहूर लेखक और निर्देशक सुदीप्तो सेन ने नादव लापिड के बयान से किनारा करते हुए इसे उनकी निजी राय बताया था। हालांकि, एक बार फिर सुदीप्तो सेन लापिड के बयान पर चर्चा करते नजर आए। इस बार उन्होंने कहा कि निश्चित रूप से किसी एक ही फिल्म पर बात करना, अनैतिक था। उस दिन मंच और पावर का दुरुपयोग हुआ। सुदीप्तो सेन ने कहा, किसी एक ही फिल्म के बारे में बात करना कलात्मक रूप से अनैतिक है। फिल्म द कश्मीर फाइल्स हमारे मानदंड पर खरी नहीं उतरी। उस पर चर्चा हुई थी, तभी तो उस फिल्म को अवॉर्ड नहीं मिला। आर्टिस्टिकली वो फिल्म हमारे क्राइटेरिया में नहीं आ रही थी। बाकी जो पांच फिल्म जिन्हें अवॉर्ड मिला वो आ रही थीं, इसलिए उन्हें अवॉर्ड मिला। सुदीप्तो सेन ने आगे कहा, बतौर जज, मेरी जिम्मेदारी उन फिल्मों के बारे में है, जिन्हें अवॉर्ड मिला है। मैं बाकी उन 17 फिल्मों पर कोई टिप्पणी नहीं करना चाहता, जिन्हें अवॉर्ड नहीं मिला। आपको एक फिल्म अच्छी लग सकती है, मुझे वो खराब लग सकती है। लेकिन, ये एक पब्लिक के हिसाब से ओपिनियन है। फिल्म मेकर के हिसाब से ओपिनियन है। लेकिन, जब आप एक जज हैं, जूरी के सदस्य हैं तो एक किसी निश्चित फिल्म के बारे में बात करना अनैतिक है। ऐसा करके जूरी बोर्ड नियमों को तोड़ते हैं।

सुदीप्तो सेन ने कहा, मुझे लगता है उस दिन पावर का दुरुपयोग हुआ है। वो नहीं करना चाहिए था। जूरी मेंबर को जो करना था, कर चुके थे। डायरेक्टर को अपना फैसला दे चुके थे। प्रेस के सामने दे चुके थे। दोबारा किसी फिल्म पर टिप्पणी की जरूरत नहीं थी। उस दिन बहुत अच्छा माहौल था स्टेज पर। हम एक-एक करके फिल्म को अवॉर्ड दे रहे थे। जिन फिल्मों को अवॉर्ड नहीं मिला ऐसी 17 फिल्में थीं। लेकिन, एक फिल्म को उठाकर बात करना सही नहीं था।

हॉलीवुड एक्ट्रेस शेरोन स्टोन शाहरुख खान को देखकर रह गईं हैरान

बॉलीवुड के रोमांस किंग शाहरुख खान की जबरदस्त फैन फॉलोइंग सिर्फ भारत में ही नहीं बल्कि विदेशों में भी है। आम जनता के अलावा खुद कई हॉलीवुड स्टार भी शाहरुख खान के फैन है। शाहरुख खान दुनिया भर में कितने लोकप्रिय हैं इसका उदाहरण हाल ही में देखने को मिला है, जब किंग खान रेड सी फिल्म फेस्टिवल में हिस्सा ले रहे थे। शाहरुख खान को किंग खान सिर्फ ऐसे ही नहीं कहा जाता बल्कि वो लोगों के दिलों पर भी राज करते है। शाहरुख खान की दिवाने सिर्फ आम लोग नहीं है बल्कि खुद सेलेब्रिटीज भी उनके दीवाने है। इसका हालिया उदाहरण सऊदी अरब के रेड सी फिल्म फेस्टिवल 2022 के दौरान देखने को मिला था। इस कार्यक्रम के दौरान शाहरुख खान को देखकर हॉलीवुड फिल्म बेसिक इंस्टिंक्ट फेम एक्ट्रेस शेरोन स्टोन भी भौंचक्की रह गई। शाहरुख खान को अपने पास बैठा देख खुद शेरोन भी सरप्राइज हो गई थी। शाहरुख खान को देखने के बाद उनका लुक सोशल मीडिया पर काफी वायरल हो रहा है।

सोशल मीडिया पर वायरल

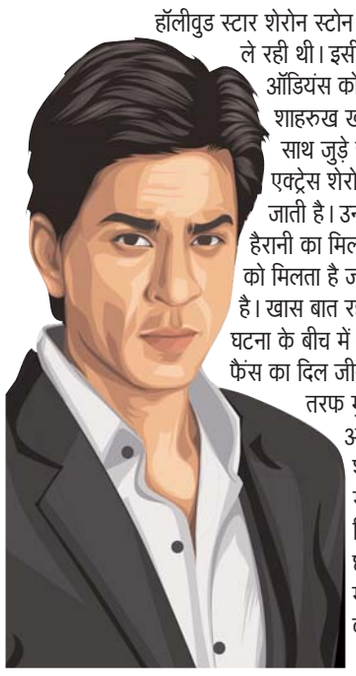

हॉलीवुड स्टार शेरोन स्टोन इस अवॉर्ड शो में हिस्सा ले रही थी। इसी बीच शो की होस्ट ऑडियंस को जानकारी देती है कि शाहरुख खान भी इस प्राग्राम के साथ जुड़े है। यह पता चलते ही एक्ट्रेस शेरोन अचानक से चौंक जाती है। उनके चेहरे पर खुशी और हैरानी का मिला जुला रिस्पॉन्स देखने को मिलता है जो काफी वायरल हो गया है। खास बात रही कि छोटी सी इस घटना के बीच में भी शाहरुख खान ने फैंस का दिल जीत लिया। शैरोन की तरफ मुड़कर उन्होंने उनका अभिवादन किया। वहीं शैरोन भी भारतीय अंदाज में नमस्ते करती हुई दिखाई दी। इस पल का छोटा सा वीडियो सोशल मीडिया पर काफी वायरल हो रहा है।

'कला' में अनुष्का को देख खुशी से झूम उठे फैंस

तृप्ति डिमरी और बाबिल खान की साइकोलॉजिकल ड्रामा काला इस हफ्ते ओटीटी पर रिलीज हो गई है। इस फिल्म से इरफान खान के बेटे बाबिल ने बॉलीवुड में डेब्यू किया है, जिनके अभिनय की जमकर तारीफ हो रही हैं। वहीं, फिल्म को दर्शकों का बढ़िया रिस्पांस मिल रहा है। इस सबके बीच फिल्म में अनुष्का शर्मा को देख फैंस हैरान हो गए। अभिनेत्री लगभग चार साल बाद स्क्रीन पर नजर आईं, जिसने फैंस को एक्साइटेड कर दिया है। कला में अनुष्का शर्मा ने घोड़े पे सवार गाने में कैमियो किया है। इस गाने में अभिनेत्री रेट्रो लुक में नजर आई हैं। ब्लैक एंड व्हाइट इस गाने में अनुष्का चांद पर बैठकर ये गाना गुनगुनाती हैं। अभिनेत्री को चार साल बाद स्क्रीन पर वापस देखकर फैंस काफी खुश हैं और सोशल मीडिया पर पोस्ट साझा कर अपनी प्रतिक्रिया दे रहे हैं। एक फैन ने लिखा, अनुष्का शर्मा खूबसूरती और प्रतिभा का मेल हैं। उनकी स्क्रीन प्रेजेंस बहुत अच्छी है। अभिनेत्री के कमबैक का इंतजार है, भारतीय सिनेमा का एक रत्न। वहीं, दूसरे ने लिखा, अनुष्का शर्मा को चार साल बाद स्क्रीन पर देखकर अच्छा लग रहा है। वहीं, एक अन्य ने लिखा, कहानी, निर्देशन और एक्टर्स के प्रदर्शन के अलावा कला की सबसे अच्छी चीज है चार साल बाद अनुष्का शर्मा को इसमें देखना। मेरे जैसे प्रशंसकों ने आपको याद किया है।

आशा है कि आप इसे पढ़ रही होंगी। चकदा एक्सप्रेस का इंतजार रहेगा।

फिल्म की बात करें तो इसमें तृप्ति डिमरी, स्वास्तिका मुखर्जी, बाबिल खान, अमित सियाल, गिरिजा ओक, वरुण ग्रोवर सहित कई सितारे शामिल हैं। फिल्म की कहानी हिंदी सिनेमा मे अपनी जगह बरकरार रखने की जद्दोजहद में लगी एक स्टार की है। यह कहानी कला की है, जिसे एक मां अपने स्वार्थ के लिए इस क्षेत्र में ले आती हैं। बता दें कि अनुष्का शर्मा चकदा एक्सप्रेस के साथ बड़े पर्दे पर वापसी कर रही हैं।

'जॉन विक चैप्टर 4' का पोस्टर हुआ रिलीज

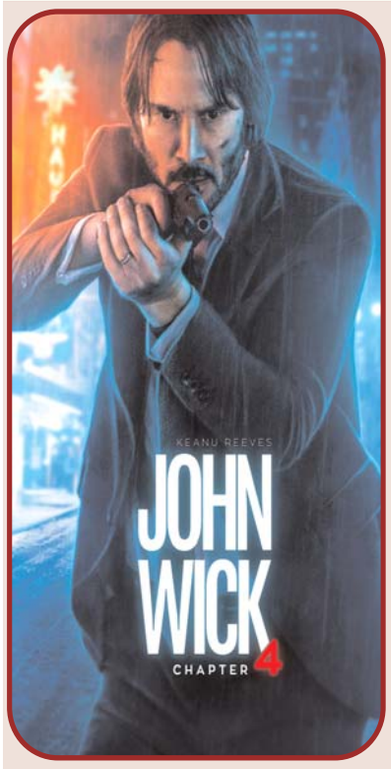

कीनू रीव्स की मुख्य भूमिका वाली फ्रेंचाइजी जॉन विक एक ऐसी फिल्म सीरीज है, जो अपने हर अगले पार्ट के साथ दर्शकों को बेहतरीन लगती है। इसके तीन भाग पहले ही बॉक्स ऑफिस पर धमाल मचा चुके हैं। निर्देशक चाड स्टेल्स्की अब जॉन विक चैप्टर 4 को दर्शकों के बीच लेकर आने वाले हैं। इस चौथे चैप्टर की रिलीज में कुछ महीनों का समय बाकी हैं और इसी बीच मेकर्स ने इस सीरीज के चौथे चैप्टर का टीजर पोस्टर रिलीज कर दिया है। पोस्टर में कीनू रीव्स का लुक दर्शकों के बेहद पसंद आ रहा है और फिल्म को लेकर उनकी उत्सुकता बढ़ गई है।

हाल ही में, मेकर्स ने जॉन विक चैप्टर 4' का नया पोस्टर जारी किया है। पोस्टर में कीनू रीव्स प्रसिद्ध बाबा यागा के रूप में स्क्रीन पर वापसी करते हुए उग्र दिख रहे हैं। इस सीरीज की आगामी फ्रेंचाइजी का फैंस बेसब्री से इंतजार कर रहे थे। सीरीज का पोस्टर देखने के बाद अब दर्शक इस के अगले चैप्टर को देखने के लिए उत्साहित हैं। इससे पहले नवंबर में, लायंसगेट ने जॉन विक- चैप्टर 4 का बहुप्रतीक्षित ट्रेलर जारी किया था, जिसमें रीव्स अपने सबसे घातक विरोधियों से भिड़ते हुए दिखाई दे रहे हैं।

डेरेक कोलस्टैड के बनाए गए पात्रों के आधार पर, जॉन विक चैप्टर 4 को शाय हैटन और माइकल फिंच ने लिखा है। चाड स्टेल्स्की ने पिछली तीनों चैप्टर का निर्देशन किया है, और एक बार फिर निर्देशक की कुर्सी पर वापस आ गए हैं। स्टेल्स्की ने बेसिल इवानिक और एरिका ली के साथ एक निर्माता के रूप में भी काम किया हैं। जॉन विक चैप्टर 4 में रीव्स, डॉनी येन, बिल स्कार्सगार्ड, लॉरेंस फिशबर्न, हिरोयुकी सनाडा, शामियर एंडरसन, लांस रेडिक, रीना स्वयंयामा, स्कॉट एडकिन्स और इयान मैकशेन शामिल हैं। फिल्म 24 मार्च 2023 को सिनेमाघरों में दस्तक देगी। यह फिल्म 2019 की जॉन विक- चैप्टर 3 – पैराबेलम का सीधा सीक्वल है और कीनू रीव्स सीरीज की सबसे लंबी फिल्म होगी।

सोशल मीडिया...

मुश्किलों से गुजर रहे खेसारी लाल यादव

भोजपुरी फिल्म इंडस्ट्री में खेसारी लाल यादव का अपना अलग जलवा है। हालांकि, हाल के दिनों में वह काफी परेशान हैं। उन्होंने कुछ दिन पहले सोशल मीडिया पर लाइव किया था। इस दौरान ने कहा था कि मुझे नींद नहीं आ रही है, भूख भी नहीं लग रही है क्योंकि मैं एक पिता भी हूं। इस दौरान वह काफी भावुक दिखे। उन्होंने कहा कि मैं तो सिर्फ मनोरंजन का काम करता हूं। मुझे काम करने दो। उन्होंने कहा कि भोजपुरी फिल्म इंडस्ट्री के लिए चाहे कैसे भी परिस्थितियां हों, मैं बीमार रहने के बावजूद भी काम करता हूं। उन्होंने कहा कि अगर भोजपुरी समाज को यह लगता है कि मैं उनके लायक नहीं हूं, तो मैं इस इंडस्ट्री को छोड़कर किसी और इंडस्ट्री में चला जाऊंगा। खेसारी ने साफ तौर पर कहा है कि मैं हर जगह अपने आपको साबित कर सकता हूं क्योंकि मैं मेहनत करने वाला आदमी हूं। उन्होंने कहा कि मैं हाथ जोड़कर प्रार्थना कर रहा हूं कि मुझे काम करने दो। मेरे 200-200 गाने डिलीट करा दिए जा रहे हैं। मेरे गाए हुए गाने को लोग चोरी करके गा रहे हैं। मैं महीने में पहले 20-30 गाने गाता था। लेकिन आज मैं मुश्किल से 10 गाने भी नहीं जा पा रहा हूं। इससे बहुत लोगों को नुकसान भी हो रहा है। मैं 24 घंटे काम करने वाला आदमी हूं। पर मुझे अब काम करने से रोक दिया गया है। भोजपुरी अभिनेता ने कहा कि मुझे नहीं पता कि यह लोग कौन है, जो यह कर रहे हैं। लेकिन मुझे यह चीजे परेशान कर रही हैं। उन्होंने कहा कि मैं आज पूरे दिन काम नहीं कर पाया। मैं एक पिता भी हूं। उन्होंने कहा कि प्लीज ऐसा मत करिए कि मैं अपनी फैमिली से भी दूर हो जाऊंगा। मुझे काम करने दीजिए। आपको बता दें कि भोजपुरी फिल्म इंडस्ट्री में खेसारी लाल यादव एक बड़ा नाम है। उनकी लोकप्रियता भी काफी अच्छी खासी है।

एसएस राजामौली ने अपने नाम किया सर्वश्रेष्ठ निर्देशक का पुरस्कार

एसएस राजामौली की कुछ महीनों पहले आई फिल्म आरआरआर की सफलता बढ़ती ही जा रही हैं। अब फिल्म निर्माता एसएस राजामौली ने शुक्रवार को न्यूयॉर्क फिल्म क्रिटिक्स सर्कल में आरआरआर के लिए सर्वश्रेष्ठ निर्देशक का पुरस्कार जीता है। राजामौली की जीत ने कई लोगों को चौंका दिया, क्योंकि उनके प्रतिद्वंद्वियों में स्टीवन स्पीलबर्ग, डैरेन एरोनोफ्सकी और सारा पोली भी शामिल थे। न्यूयॉर्क फिल्म क्रिटिक्स सर्कल अवार्ड्स अत्यधिक सम्मानित हैं, क्योंकि वे सम्मानित हॉलीवुड फिल्म समीक्षकों के एक पैनल द्वारा तय किए जाते हैं। न्यूयार्क फिल्म क्रिटिक्स सर्कल के सदस्यों ने 1935 में समूह की स्थापना के बाद से समाचार पत्रों, पत्रिकाओं और यहां तक कि वेबसाइटों के लिए भी काम किया है। जनवरी महीने की शुरुआत में यह संगठन एक पार्टी का आयोजन करेगा, जहां ये पुरस्कार दिए जाएंगे।

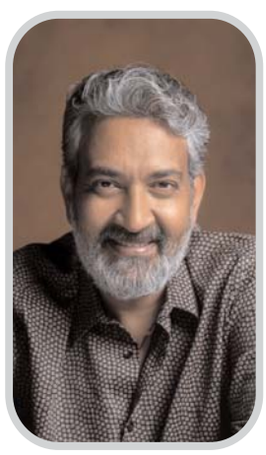

फिल्म की कमाई

आरआरआर ने अपने प्रदर्शन के दौरान वर्ल्ड वाइड बॉक्स ऑफिस पर 1000 करोड़ से ज्यादा की कमाई की है। यह फिल्म हाल ही में चीनी थिएटर में दिखाई गई और दर्शकों द्वारा इसे खूब पसंद किया गया। आरआरआर को कई बड़े निर्देशकों और फिल्म तकनीशियनों ने समर्थन दिया था। फिल्म को विश्वभर में प्रशंसा मिली है। राम चरण और जूनियर एनटीआर स्टारर आरआरआर ने साल की दूसरी सर्वश्रेष्ठ फिल्म के रूप में हॉलीवुड क्रिटिक्स एसोसिएशन अवार्ड भी जीता है। आरआरआर दो वास्तविक नायकों और जाने-माने क्रांतिकारियों, अल्लूरी सीताराम राजू और कोमाराम भीम के जीवन पर आधारित है।

किसी का भाई किसी की जान की शूटिंग पूरी, सलमान का धांसू लुक हुआ वायरल

सलमान खान इन दिनों बिग बॉस 16 को होस्ट करते हुए नजर आ रहे हैं। लंबे समय से उनके फैंस उन्हें बड़े पर्दे पर मिस कर रहे हैं। सलमान अगले साल किसी का भाई किसी की जान में नजर आने वाले हैं। इस बीच फिल्म को लेकर एक बड़ा अपडेट सामने आया है। दरअसल, सलमान की आगामी फिल्म की शूटिंग खत्म हो चुकी है। इस बात की जानकारी खुद दबंग खान ने दी है। इसके साथ ही उन्होंने सोशल मीडिया पर अपना नया लुक भी साझा किया है। फैंस को उनका लुक काफी पसंद आ रहा है। तस्वीर में सलमान को दाढ़ी और लंबे बालों में देखा जा सकता है। फोटो में वह स्टाइलिश जैकेट और चश्मा लगाए नजर आ रहे हैं। फोटो के साथ सलमान ने कैप्शन में लिखा, शूटिंग पूरी हुई...किसी का भाई किसी की जान ईद 2023 पर आ रही है। इस लुक को शेयर करने के बाद हर तरफ भाईजान यानी सलमान की चर्चा हो रही है। फैंस अपने फेवरेट सितारे को देखकर तरह-तरह के कमेंट कर रहे हैं। एक यूजर ने कमेंट करते हुए लिखा, बॉक्स ऑफिस पर कई रिकॉर्ड धवस्त होने वाले हैं। एक अन्य यूजर ने लिखा, भाई के स्वैग की बात ही कुछ और है। वहीं, बहुत से यूजर्स इस फोटो पर फायर इमोजी शेयर करते हुए अपनी प्रतिक्रिया व्यक्त कर रहे हैं।

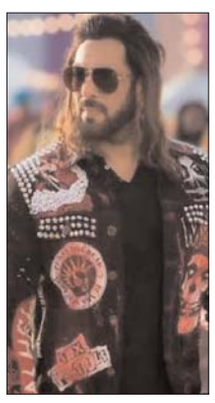

बता दें कि अगले साल सलमान इस फिल्म के अलावा टाइगर 3 में भी नजर आने वाले हैं। फिल्म में उनके साथ कटरीना कैफ एक बार फिर जबरदस्त एक्शन करती दिखेंगी। इस बार टाइगर की इस कड़ी का निर्देशन मनीष शर्मा कर रहे हैं। इस फिल्म को दिवाली के मौके पर रिलीज किया जाएगा। इससे पहले रिलीज हुई एक था टाइगर और टाइगर जिंदा है बॉक्स ऑफिस पर जबरदस्त हिट साबित हुई थी।

शॉर्ट न्यूज

सुकांत और तीन अन्य भारतीय पेरू पैरा बैडमिंटन अंतरराष्ट्रीय के एकल फाइनल में

नई दिल्ली। सुकांत कदम सहित चार भारतीय बैडमिंटन खिलाड़ियों ने लीमा में चल रहे पेरू पैरा बैडमिंटन अंतरराष्ट्रीय टूर्नामेंट के एकल फाइनल में प्रवेश किया। नित्या स्रे सुमति सिवान (एसएच6), मंदीप कौर (एसएल3) और नेहाल गुप्ता (एसएल3) ने भी शनिवार को अपने वर्गों के फाइनल में जगह बनाई। दुनिया के तीसरे नंबर के खिलाड़ी सुकांत ने ग्वाटेमाला के राउल एंगुईयानो को एकतरफा सेमीफाइनल में 21-10 21-12 से शिकस्त दी। अब फाइनल में उनका सामना सिंगापुर के ची हियोंग अंक से होगा। सुकांत पिछली दो भिड़ंत में ची को हरा चुके हैं। नित्या ने पोलैंड की ओलिविया स्जमिगेल को 21-17 21-7 से जबकि मंदीप ने हमवतन पारूल परमार को 23-21 21-12 से तथा नेहाल ने एक अन्य भारतीय उमेश विक्रम कुमार को 21-6 21-23 21-9 से शिकस्त दी। नेहाल गुप्ता और ब्रेनो जोहान (एसएल3-एसएल4) की पुरूष युगल जोड़ी तथा पारूल परमार और वैशाली निलेश पटेल (एसएल3- एसयू5) की महिला युगल जोड़ी भी फाइनल में पहुंच गई।

लियोन को छह विकेट, ऑस्ट्रेलिया ने पहले टेस्ट में वेस्टइंडीज को 164 रन से हराया

पर्थ। ऑफ स्पिनर नाथन लियोन के छह विकेट से ऑस्ट्रेलिया ने रविवार को यहां पहले क्रिकेट टेस्ट के पांचवें और अंतिम दिन वेस्टइंडीज को 164 रन हराकर फ्रेंक वारेल ट्रॉफी को अपने पास बरकरार रखना सुनिश्चित किया। इस जीत के साथ ऑस्ट्रेलिया ने दो टेस्ट की श्रृंखला में।-0 की बढ़त बना ली है। लियोन ने 128 रन देकर छह विकेट चटकाए जिससे ऑस्ट्रेलिया के 498 रन के लक्ष्य का पीछा करते हुए वेस्टइंडीज की टीम चाय से पहले 333 रन पर सिमट गई। लियोन ने अपने 111वें टेस्ट में 21वीं बार पारी में पांच या इससे अधिक विकेट चटकाए। लियोन के नाम टेस्ट क्रिकेट में 446 विकेट दर्ज हो गए हैं और वह सर्वकालिक सबसे सफल गेंदबाजों की सूची में आठवें स्थान पर पहुंच गए हैं। ऑस्ट्रेलियाई गेंदबाजों में उनसे अधिक टेस्ट विकेट सिर्फ शेन वार्न (145 टेस्ट में 708 विकेट) और ग्लेन मैकग्रा (124 मैच में 563 विकेट) के नाम ही दर्ज हैं जो सर्वकालिक सूची में क्रमशः दूसरे और छठे स्थान पर हैं। कप्तान पैट कमिंस ने कहा, लियोन को यहां गेंदबाजी करना पसंद है और यह शानदार ऑलराउंड प्रदर्शन था। उसके काफी अच्छी गेंदबाजी की। काफी मदद नहीं मिली रही थी लेकिन इसके बावजूद वह विकेट हासिल करने में सफल रहा। कप्तान क्रेग ब्रेथवेट 110 रन बनाकर टीम के शीर्ष स्कोरर रहे। रोस्टन चेस (55) और अल्जारी जोसेफ (43) ने निचले क्रम में उपयोगी पारियां खेलकर वेस्टइंडीज के हार के अंतर को कम किया। दोनों ने आठवें विकेट के लिए 82 रन जोड़कर ऑस्ट्रेलिया के जीत के इंतजार को बढ़ाया। लंच के बाद वेस्टइंडीज के बल्लेबाजों ने 85 मिनट और बल्लेबाज की। कामचलाऊ स्पिनर ट्रेविस हेड (25 रन पर दो विकेट) ने जोसेफ को बोल्ड करके चेस के साथ उनकी साझेदारी को तोड़ा। लियोन ने इसके बाद चेस और केमार रोच (00) को लगातार गेंदों पर आउट करके ऑस्ट्रेलिया की जीत सुनिश्चित की। चेस ने मिशेल स्टार्क को कैच थमाया जबकि रोच बोल्ड हुए। वेस्टइंडीज ने अंतिम दिन की शुरुआत तीन विकेट पर 192 रन से की लेकिन लंच तक लियोन ने टीम का स्कोर सात विकेट पर 257 रन कर दिया। टीम एक समय तीन विकेट पर 207 रन बनाकर अच्छी स्थिति में थी लेकिन इसके बाद उसने 17 ओवर में चार विकेट गंवाए और उसका स्कोर सात विकेट पर 233 रन हो गया। लियोन ने पहले घंटे के खेल में 15 गेंद के भीतर कल के नाबाद बल्लेबाजों ब्रेथवेट और काइल मायर्स (10) को आउट किया। लियोन ने मायर्स को स्लिप में स्टीव स्मिथ के हाथों कैच कराने के बाद ब्रेथवेट को तेजी से स्पिन होती गेंद पर बोल्ड किया। ब्रेथवेट ने अपने 11वें टेस्ट शतक के दौरान 118 गेंद का सामना करते हुए 13 चौके मारे। जेसन होल्डर (03) ने हेड की गेंद पर स्लिप में स्मिथ को कैच थमाया जिसके बाद जोश हेजलवुड ने विकेटकीपर बल्लेबाज जोशुआ डा सिल्वा (12) की पारी का अंत किया। वेस्टइंडीज की टीम मई 2003 में ब्रायन लारा की कप्तानी में स्टीव वॉ की टीम को हराने के बाद से ऑस्ट्रेलिया को नहीं हरा पाई है।

खरपतवार से भी अधिक तेजी से फैल रही हैं टी20 लीगः चैपल

एजेंसी ■ नई दिल्ली

ऑस्ट्रेलिया के पूर्व कप्तान इयान चैपल का मानना है कि टी20 लीग खरपतवार से भी तेजी से फैल रही हैं और ऐसे में अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट का महत्वाकांक्षी भविष्य कार्यक्रम व्यवधान की ओर बढ़ रहा है। चैपल ने ईएसपीएनक्रिकइंफो के लिए अपने लेख में लिखा कि खेल प्रशासकों और अंतरराष्ट्रीय खिलाड़ियों के बीच एक स्वस्थ साझेदारी की अनुपस्थिति इस प्रक्रिया को तेज कर सकती है। हाल ही में स्टीव वॉ जैसे अतीत के स्टार खिलाड़ियों ने क्रिकेट के व्यस्त कार्यक्रम के संदर्भ में कहा था कि जनता को अत्याधिक क्रिकेट परोसा जा रहा है और इस खेल में रुचि में कमी आई है। चैपल ने लिखा, पूरे क्रिकेट ढांचे, विशेष रूप से कार्यक्रम की खेल के भविष्य को ध्यान में रखते हुए गहन लेकिन सकारात्मक समीक्षा की जरूरत है। उन्होंने कहा, खिलाड़ियों और प्रशासकों के बीच साझेदारी की कमी का स्पष्ट मामला भी है। निश्चित रूप से यह ऐसा नहीं होना चाहिए जैसा कि वर्तमान में है- प्रशासकों का अंतरराष्ट्रीय खिलाड़ियों से सलाह-मशविरे के बिना कार्यक्रम तय करने का मामला। चैपल ने कहा, टी20 लीग गर्मियों में खरपतवार से भी अधिक तेजी से बढ़ रही हैं और पहले से ही एक अविश्वसनीय कार्यक्रम एक बड़े विस्फोट की ओर बढ़ रहा है। टी20 लीग के प्रसार के बीच खिलाड़ियों को अब यह चुनने की आवश्यकता है कि उसे किस लीग में खेलना है और किसे छोड़ना है। ऐसे में कुछ लीग स्टार खिलाड़ियों से वंचित होंगी और लंबे समय में आर्थिक रूप से व्यावहारिक बनने की उनकी क्षमता प्रभावित होगी। चैपल ने लिखा, टी20 लीग अब आपस में टकरा रही हैं और स्टार खिलाड़ी आईपीएल क्लबों के विस्तार के साथ लंबी अवधि के अनुबंध पर हस्ताक्षर कर रहे हैं। इन विरोधाभासों का मतलब है कि अब समस्या होगी कि अधिक संख्या में विपणन योग्य क्रिकेटरों को कैसे तैयार किया जाए। उन्होंने कहा, मौजूदा माहौल में कुछ लीग सीमित संख्या में उपलब्ध स्टार खिलाड़ियों को अनुबंधित करने में सक्षम नहीं होंगी और यह अंततः आर्थिक रूप से व्यावहारिक रहने की उनकी क्षमता को प्रभावित कर सकता है। इस पूर्व क्रिकेटर ने कहा, ए सभी मामले हैं जिन पर तत्काल ध्यान देने की आवश्यकता है लेकिन सबसे महत्वपूर्ण यह सुनिश्चित करना है कि खेल के भविष्य में खिलाड़ियों की बात सुनी जाए। टेस्ट क्रिकेट के बारे में बात करते हुए चैपल ने कहा कि पारंपरिक प्रारूप बेहतर होगा यदि यह उन देशों तक सीमित रहे जिनके पास एक मजबूत प्रथम श्रेणी ढांचा है जिसकी अफगानिस्तान और आयरलैंड जैसी टीम के पास कमी है।

पांचवें हॉकी टेस्ट में ऑस्ट्रेलिया से 4-5 से हारा भारत, श्रृंखला 1-4 से गंवाई

एजेंसी ■ एडीलेड

कप्तान हरमनप्रीत सिंह के दो गोल के बावजूद भारत को रविवार को यहां पांचवें और अंतिम हॉकी टेस्ट में ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ 4-5 से शिकस्त का सामना करना पड़ा जिससे उसने दुनिया की नंबर एक टीम के खिलाफ पांच मैच की श्रृंखला।-4 से गंवा दी। टॉम विकहैम (दूसरे और 17वें मिनट) ने ऑस्ट्रेलिया के लिए दो गोल दागे जबकि एरेन जेलवस्की (30वें मिनट), जेकब एंडरसन (40वें मिनट) और जेक वेटन (54वें मिनट) ने भी मेजबान टीम की तरफ से एक-एक गोल किया। भारत के लिए कप्तान हरमनप्रीत सिंह (24वें और 60वें मिनट) ने दो जबकि अमित रोहिदास (34वें मिनट) और सुखजीत सिंह (55वें मिनट) ने एक-एक गोल दागा। भारत ने शुरुआती दो मैच 4-5 और 4-7 से गंवाने के बार तीसरा मैच 4-3 से जीता था। चौथे मैच में मेहमान टीम को।-5 से शिकस्त का सामना करना पड़ा था। रविवार को ऑस्ट्रेलिया की टीम दोनों टीम में कहीं बेहतर नजर आई। टीम ने शुरुआती दो क्वार्टर में मैच पर नियंत्रण बनाया। दूसरी तरफ भारतीय टीम ने धीमी शुरुआत की और उसके मूव में हिचक दिख रही थी। ऑस्ट्रेलिया ने तेज शुरुआत की और विकहैम ने दूसरे ही मिनट में मैदानी गोल दागकर मेजबान टीम को बढ़त दिला दी। भारतीय खिलाड़ी ऑस्ट्रेलियाई डिफेंस पर दबाव डालने में नाकाम रहे और पहले क्वार्टर में टीम ने बामुश्किल कोई मौका बनाया। विकहैम ने 17वें मिनट में ऑस्ट्रेलिया की बढ़त को दोगुना कर दिया। लैकलेन शार्प ने मिडफील्ड से गेंद को अपने कब्जे में लिया और भारत के कुछ डिफेंडरों को छकाते हुए गेंद को विकहैम के पास पहुंचाया जिन्हें सिर्फ भारत के गोलकीपर पीआर श्रीजेश को छकाना था और उन्होंने इसमें कोई गलती नहीं की। हरमनप्रीत ने 24वें मिनट में पेनल्टी कॉर्नर को गोल में बदलकर स्कोर।-2 किया। ऑस्ट्रेलिया को इसके बाद लगातार दो पेनल्टी कॉर्नर मिले लेकिन रिजर्व गोलकीपर कृष्ण बहादुर पाठक ने जेरेमी हेवर्ड के प्रयासों को नाकाम कर दिया। ऑस्ट्रेलिया ने हालांकि जेलवस्की की बदौलत मध्यांतर से ठीक पहले 3-। की बढ़त हासिल कर ली। मध्यांतर के बाद भारत ने आक्रामक शुरुआत की और रोहिदास के गोल से स्कोर 2-3 कर दिया। कुछ मिनटों बाद श्रीजेश ने शार्प के हमले को नाकाम किया। ऑस्ट्रेलिया ने हालांकि दबाव बनाए रखा और 40वें मिनट में एंडरसन ने डेनियल बील के पास पर गोल दाग दिया। वेटन ने एक और गोल दागकर मेजबान टीम को 5-2 की बढ़त दिलाई। सुखजीत ने इसके बाद ऑस्ट्रेलिया की बढ़त को कम किया। अंतिम मिनट में मिले पेनल्टी कॉर्नर को हरमनप्रीत ने गोल में बदला लेकिन टीम को हार से नहीं बचा पाए।

एक नजर

इग्लैंड ने पाकिस्तान को पहले टेस्ट में 343 रन का लक्ष्य दिया

रावलपिंडी। इंग्लैंड ने पहले क्रिकेट टेस्ट में नतीजे की उम्मीद जगाते हुए रविवार को यहां चौथे दिन चाय से पहले अपनी दूसरी पारी घोषित करके पाकिस्तान को 343 रन का लक्ष्य दिया। पहली पारी में 78 रन की बढ़त हासिल करने वाले इंग्लैंड ने दूसरी पारी सात विकेट पर 264 रन बनाकर घोषित की। सत्रह साल बाद अपने देश में इंग्लैंड की मेजबानी कर रहे पाकिस्तान को लक्ष्य हासिल करने के लिए 130 ओवर मिले हैं। इससे पहले बेन फोक्स के वायरल संक्रमण के कारण बाहर होने के बाद टेस्ट पदार्पण करने वाले ऑफ स्पिनर विल जैक्स ने 161 रन देकर छह विकेट चटकाए। पाकिस्तान की टीम हालांकि बल्लेबाजी की अनुकूल पिच पर पहली पारी में 579 रन का स्कोर खड़ा करने में सफल रही। पहली पारी में छह रन प्रति ओवर से अधिक की गति से रन बनाने वाले इंग्लैंड ने दूसरी पारी में भी यह लय बरकरार रखी। उसकी तरफ से जो रूट ने 73 जबकि पहली पारी में शतक जड़ने वाले हैरी ब्रूक ने 65 गेंद में 87 रन की पारी खेली। सलामी बल्लेबाज जैक क्राउली ने भी 50 रन की पारी खेली। ब्रूक चाय से ठीक पहले तेज गेंदबाज नसीम शाह (66 रन पर दो विकेट) ने बोल्ड किया जिसके बाद इंग्लैंड के कप्तान बेन स्टोक्स ने पारी घोषित कर दी। इंग्लैंड ने दूसरे सत्र में 7.4 रन प्रति ओवर के रन रेट से 218 रन जुटाए। इंग्लैंड ने लंच के पहले के सात ओवर में पहली पारी के शतकवीर बेन डकेट (00) और ओली पोप (15) के विकेट गंवाकर दो विकेट पर 46 रन बनाए। रूट अर्धशतक पूरा करने के बाद भाग्यशाली रहे जब नसीम रिवर्स स्वीप पर उनका कैच लपकने में नाकाम रहे। जाहिद मोहम्मद (84 रन पर दो विकेट) ने रूट और स्टोक्स को एक ही ओवर में आउट करके इंग्लैंड को दोहरा झटका दिया। इससे पहले पाकिस्तान ने दिन की शुरुआत सात विकेट पर 499 रन से ही और उसके निचले क्रम के बल्लेबाजों ने डेढ़ घंटे तक इंग्लैंड के बल्लेबाजों को परेशान किया। निचले क्रम में आगा सलमान ने 67 गेंद में 53 रन की पारी खेली। उन्होंने जाहिद महमूद (17) के साथ 57 रन की साझेदारी की। सलमान ने बाएं हाथ के स्पिनर जैक लीच पर चौके के साथ 62 गेंद में अपना दूसरा टेस्ट अर्धशतक पूरा किया।

भारतीय भारोत्तोलक विश्व चैंपियनशिप से शुरू करेंगे 2024 ओलंपिक की तैयारी

एजेंसी ■ बगोटा

मीराबाई चानू की अगुवाई में भारतीय भारोत्तोलक सोमवार से यहां शुरू हो रही विश्व चैम्पियनशिप में जब अपनी दावेदारी पेश करेंगे तो उनकी निगाहें 2024 में पेरिस में होने वाले ओलंपिक पर होगी। ओलंपिक रजत पदक विजेता मीराबाई, राष्ट्रमंडल खेलों की पदक विजेता एस बिंदियारानी देवी (59 किग्रा), अचिंता श्युली (73 किग्रा) और गुरदीप सिंह (109 किग्रा से अधिक) अगस्त में बर्मिंघम राष्ट्रमंडल खेलों के बाद पहली बार किसी प्रतिस्पर्धी प्रतियोगिता में चुनौती पेश करेंगे। इन खिलाड़ियों का लक्ष्य पेरिस ओलंपिक का क्वालिफिकेशन हासिल करने के लिए जरूरी रैंकिंग अंक जुटाना होगा। पूर्व विश्व चैम्पियन मीराबाई के द्वारा इस प्रतियोगिता में अपनी अधिकतम भार सीमा को परखने की उम्मीद है लेकिन मुख्य कोच विजय शर्मा चाहते हैं कि अन्य भारोत्तोलक इसमें अपने स्तर को उंचा उठाए और कम से कम एक वर्ग (स्नैच , क्लीन एंव जर्क और कुल भार) में अपना सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करें। उन्होंने कहा, इस टूर्नामेंट के लिए मेरी उम्मीद है कि मीराबाई के अलावा सभी को तीन श्रेणियों में से एक में व्यक्तिगत सर्वश्रेष्ठ प्रयास करना चाहिए। इससे उनके खेल में सुधार आएगा और उन्हें क्वालीफिकेशन में मदद मिलेगी। विजय शर्मा ने पीटीआई-भाषा से कहा, मीराबाई के मामले में हम हर क्वालीफाइंग स्पर्धा में 200 किग्रा से अधिक का कुल भारत उठाना चाहेंगे ताकि ओलंपिक के लिए क्वालीफाई कर सके। मीराबाई का व्यक्तिगत सर्वश्रेष्ठ 207 किग्रा (88 किग्रा119 किग्रा) है। वह 2020 से स्नैच श्रेणी में 90 किग्रा के आंकड़े को पार करने की कोशिश कर रही है। ओलंपिक में हालांकि अभी समय है। उससे पहले सितंबर में होने वाले एशियाई खेल है।

पंत को बांग्लादेश में भारतीय एकदिवसीय टीम से रिलीज किया गया

एजेंसी ■ मीरपुर

विकेटकीपर बल्लेबाज ऋषभ पंत को बांग्लादेश के खिलाफ तीन एकदिवसीय मैच की श्रृंखला के लिए भारतीय टीम से रिलीज (टीम से हटा देना) कर दिया गया है। भारतीय क्रिकेट बोर्ड (बीसीसीआई) ने रविवार को यह जानकारी दी। बीसीसीआई की मेडिकल टीम से सलाह मशविरे के बाद पंत को रिलीज किया गया है और उनके विकल्प की मांग नहीं की गई है। बीसीसीआई ने प्रेस विज्ञप्ति में कहा, बीसीसीआई की मेडिकल टीम से सलाह मशविरे के बाद ऋषभ पंत को एकदिवसीय अंतरराष्ट्रीय टीम से रिलीज कर दिया गया है। वह टेस्ट श्रृंखला से पहले टीम से जुड़ेंगे। उनके विकल्प की मांग नहीं की गई है। बाएं हाथ के स्पिन गेंदबाजी ऑलराउंडर अक्षर पटेल भी बांग्लादेश के खिलाफ पहले एकदिवसीय मैच में चयन के लिए उपलब्ध नहीं थे। सूत्रों के अनुसार नेट में बल्लेबाजी करते हुए अक्षर की पसलियों में चोट लगी थी और वह उससे उबर रहे हैं। पंत को टीम से रिलीज करने का कोई कारण नहीं बताया गया है लेकिन वह सभी प्रारूपों में खेलने वाले टीम के एकमात्र खिलाड़ी थे जिन्हें पिछले महीने ऑस्ट्रेलिया में टी20 विश्व कप के बाद ब्रेक नहीं दिया गया था। विराट कोहली और रोहित शर्मा जैसे खिलाड़ियों को टी20 विश्व कप के सेमीफाइनल में इंग्लैंड के खिलाफ हार के बाद आराम दिया गया था। पंत हालांकि टीम के साथ छह सीमित ओंवरों के मुकाबलों के लिए न्यूजीलैंड रवाना हुए थे। भारत और बांग्लादेश को तीन एकदिवसीय के बाद दो टेस्ट भी खेलने हैं।

वनडे मैच | बांग्लादेश ने भारत को एक विकेट से हराकर तीन मैचों की क्रिकेट श्रृंखला में 1-0 से बढ़त हासिल की।

शाकिब-हसन का कमाल, भारत एक विकेट से हारा

एजेंसी ■ मीरपुर

बांग्लादेश ने पहले शाकिबुल हसन के पांच विकेट और फिर आल राउंडर मेहदी हसन मिराज (नाबाद 38 रन) की पारी से रविवार को यहां पहले एकदिवसीय अंतरराष्ट्रीय में भारत को एक विकेट से हराकर तीन मैचों की क्रिकेट श्रृंखला में 1-0 से बढ़त हासिल की। बांग्लादेश ने 40वें ओवर में अपना नौंवा विकेट 136 रन पर हसन महमूद (शून्य) के रूप में गंवा दिया था लेकिन भारतीय टीम अगले छह ओवर में अंतिम विकेट नहीं झटक सकी। इसमें मेहदी हसन (39 गेंद, चार चौके, दो छक्के) और मुस्तफिजुर रहमान (नाबाद 10 रन) के बीच अंतिम विकेट के लिए 51 रन की साझेदारी ने अहम भूमिका अदा की। शाकिब (36 रन पर पांच विकेट) के पांच विकेट से बांग्लादेश ने लोकेश राहुल (73) के जुझारू अर्धशतक के बावजूद भारत को 41.2 ओवर में 186 रन पर ढेर कर दिया था।

लेकिन भारतीय गेंदबाजों ने अच्छा प्रदर्शन करते हुए 40वें ओवर तक 136 रन पर नौ विकेट झटक लिए थे, वर्ना भारतीय टीम मैच पहले ही गंवा देती। इसके बाद भारत की जीत की उम्मीद जगी थी लेकिन इस मैच में विकेटकीपिंग की जिम्मेदारी संभालने वाले राहुल और अनुभवी शिखर धवन ने कैच टपका दिए, तब बांग्लादेश को जीत के लिए 32 रन की जरूरत थी। वाशिंगटन सुंदर भी थर्ड मैन पर आसान कैच नहीं लपक सके जिससे मिराज और मुस्तफिजुर ने 46 ओवर में टीम को लक्ष्य तक पहुंचाकर जीत दिलाई।

भारतीय गेंदबाज मोहम्मद सिराज (32 रन देकर तीन विकेट), शार्दुल ठाकुर (21 रन देकर एक विकेट) और सुंदर (17 रन देकर दो विकेट) ने शानदार प्रयास से इस आसान स्कोर को बांग्लादेश के लिए बड़ा कर दिया था। पदार्पण कर रहे कुलदीप सेन ने 37 रन देकर दो विकेट विकेट झटके। दीपक चाहर (32 रन देकर एक विकेट) ने पहली गेंद पर विकेट दिलाया लेकिन अंत में वह इतने प्रभावी नहीं दिखे। इससे पहले शाकिब के अलावा इबादत हुसैन ने भी 47 रन देकर चार विकेट चटकाए जिससे भारतीय टीम 41.2 ओवर में पवेलियन लौट गई।

इन परिस्थितियों में स्पिनरों को कैसे खेलें, यह देखने की जरूरतः रोहित

भारतीय कप्तान रोहित शर्मा ने रविवार को यहां बांग्लादेश से कम स्कोर वाले रोमांचक मुकाबले में मिली एक विकेट की हार के बाद इस बात को स्वीकार करने में कोई हिचकिचाहट नहीं दिखाई कि उनकी बल्लेबाजी इकाई को मुश्किल विकेट पर स्पिनरों से निपटने के लिए काफी सुधार की जरूरत है। रोहित ने मैच के बाद कहा, पिच थोड़ी चुनौतीपूर्ण थी, इसमें गेंद टर्न ले रही थी। आपको समझना होगा कि इसे कैसे खेला जाए। इसमें कोई बहाना नहीं है, हम इस तरह के हालात के आदी हैं।

पेले की स्थिति स्थिर, इलाज पर दे रहे अच्छी प्रतिक्रिया

एजेंसी ■ साओ पाउलो

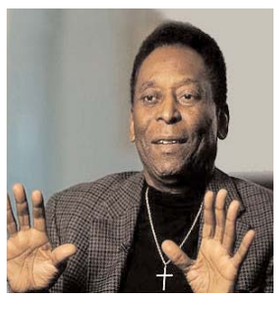

ब्राजील के पूर्व महान फुटबॉल खिलाड़ी पेले श्वसन संबंधी संक्रमण के इलाज पर अच्छी प्रतिक्रिया दे रहे हैं और पिछले 24 घंटों में उनकी स्थिति और खराब नहीं हुई है। अल्बर्ट आइंस्टीन अस्पताल ने शनिवार को यह जानकारी दी। महान खिलाड़ी 82 वर्षीय पेले मंगलवार से अस्पताल में भर्ती हैं। इंस्टाग्राम पर डाले गए बयान में पेले ने कहा, मैं बहुत आशावान और मजबूत हूं तथा हमेशा की तरह उपचार के अनुसार चल रहा हूं। मेरी देखभाल के लिए मैं पूरी चिकित्सा और नर्सिंग टीम को धन्यवाद देना चाहता हूं। उन्होंने कहा, मुझे ईश्वर में बहुत विश्वास है और दुनिया भर से आपसे मिले प्यार का हर संदेश मुझे ऊर्जा से भर देता है। और ब्राजील को विश्व कप में खेलते हुए भी देखें। कैंसर का इलाज भी करा रहे तीन बार के विश्व कप विजेता पेले के लिए दुनिया भर से अच्छे स्वास्थ्य की कामना करते हुए संदेश आ रहे हैं। पेले की बेटी केली नैसिमेंटो ने इंस्टाग्राम पर कतर में ब्राजील के प्रशंसकों द्वारा झंडों और बैनरों के साथ अपने पिता को शुभकामनाएं देने की कई तस्वीरें पोस्ट कीं। पश्चिम एशिया के इस देश की इमारतों में भी पूर्व महान फुटबॉलर के समर्थन में संदेश प्रदर्शित किए गए। ब्राजील विश्व कप में सोमवार को अंतिम 16 के मुकाबले में दक्षिण कोरिया से भिड़ेगा। पेले ने ब्राजील को 1958, 1962 और 1970 के विश्व कप में खिताब दिलाने में मदद की और 92 मैच में 77 गोल के साथ वह टीम के सर्वकालिक शीर्ष स्कोरर हैं। अल्बर्ट आइंस्टीन अस्पताल ने शुक्रवार को कहा कि पेले को संक्रमण के इलाज के लिए एंटीबायोटिक्स दिए जा रहे हैं और साथ ही वह कैंसर के लिए कीमोथेरेपी से गुजर रहे हैं। पेले का सितंबर 2021 में एक कोलन ट्यूमर निकाला गया था। उनका असली नाम एडसन अरांतेस डो नैसिमेंटो है।

ल्यूक केनी ने धारावी बैंक में विसुअली चैलेंज्ड माइकल की भूमिका निभाई

ओटीटी

दर्शकों के मन में किसी भी किरदार, शो या फिल्म को अविस्मरणीय बनाने के लिए प्रामाणिकता महत्वपूर्ण घटक है। और, हाल ही में लॉन्च की गई एमएक्स ओरिजिनल सीरीज धारावी बैंक अपने कलाकारों के ग्रुप की दमदार प्रदर्शन के लिए सुर्खियां बटोर रही है। बहु-प्रतिभाशाली ल्यूक केनी ने स्क्रीन पर विसुअली चैलेंज्ड कैरेक्टर, माइकल को अपनाया और इस तीव्र प्रतिशोधी थ्रिलर की कहानी को आगे बढ़ाया। स्क्रीन पर इस स्पष्टवादी व्यक्तित्व को प्रस्तुत करने के लिए, ल्यूक की आंखें प्रोस्थेटिक्स से पूरी तरह से बंद थीं, जिससे उन्हें आसपास का बहुत ही कम दृश्य दिखाई दे रहा था। इस अनुभव के बारे में बात करते हुए, ल्यूक केनी हमें बताते हैं कि उन्होंने इस भूमिका के लिए कैसे तैयारी की।

ल्यूक केनी ने कहा, धारावी बैंक में माइकल का किरदार के लिए, मैंने सबसे कठिन और जटिल तैयारियों में से एक को पूरा किया। आप जानते हैं कि जब आपकी एक आखें अवरुद्ध हो जाती है, तो आप बाकी के साथ काम करने के लिए कुछ समय लेते हैं। लेकिन मेरे प्रदर्शन का श्रेय एनएबीवर्ली के हेमेंद्र सिंह को जाता है, जिन्होंने इस तैयारी के माध्यम से मेरा मार्गदर्शन करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है। भले ही यह आंशिक अंधापन था और मेरी आंखें पूरी तरह से प्रोस्थेटिक्स से बंद थीं, उन्होंने मुझे समझाया/मुझे सब कुछ निर्बाध रूप से कराया। मैं वास्तव में खुश हूं कि समित और टीम ने मुझे ऐसा करने के लिए प्रेरित किया क्योंकि यह एक ऐसा अनुभव है जिसे मैं कभी नहीं भूलूंगा।

धारावी बैंक के साथ, एमएक्स प्लेयर एशिया की सबसे बड़ी मलिन बस्तियों की कम-ज्ञात दुनिया को जीवंत करता है, जिसे धारावी के नाम से भी जाना जाता है। ज़ी स्टूडियोज द्वारा निर्मित, इस सीरीज में सुनील शेट्टी की डिजिटल शुरुआत को अप्राप्य माफिया राजा थलाइवन के रूप में चिन्हित करती है, जिसका पीछा एक कठोर पुलिस वाले द्वारा किया जाता है - जेसीपी जयंत गावस्कर का किरदार विवेक आनंद ओबेरॉय द्वारा निभाया गया है। एक आपराधिक संगठन को खत्म करना धारावी बैंक का केवल एक पहलू है, लेकिन सबसे बढ़कर - यह नायक की मानसिक और नैतिक संवेदनाओं की ताकत है, जो सभी को परीक्षा में डालते हैं।

बेडरूम फोटो शेयर कर ट्रोल हुईं तारक मेहता की रीटा

टीवी शो तारक मेहता का उल्टा चश्मा से पॉपुलर हुई रीटा रिपोर्टर यानी प्रिया आहूजा राजदा सोशल मीडिया पर काफी एक्टिव रहती है। प्रिया ने भले ही सीरियल छोड़ दिया हो, लेकिन फैंस को अपनी लाइफ से जुड़े अपडेट देती रहती है। कुछ समय पहले उन्होंने अपनी बोल्ड फोटोज पोस्ट की थी, जिसे लेकर उन्हें काफी ट्रोलिंग का सामना करना पड़ा। अब एक्ट्रेस ने ट्रोलर्स को करारा जवाब दिया है।

प्रिया आहूजा ने ट्रोलर्स को दिया मुंह तोड़ जवाब

प्रिया आहूजा राजदा ने अपने इंस्टाग्राम पर कुछ ग्लैमरस तसवीरें पोस्ट की थी, जिसमें वो अपने बेडरूम में पोज देते दिखी थी। एक्ट्रेस के बोल्ड फोटोशूट ने लोगों का ध्यान अपनी ओर खींचा था। कुछ यूजर्स ने उनकी तारीफ की थी कुछ ने उन्हें ट्रोल किया था। अब एक्ट्रेस ने ट्रोलर्स को मुंह तोड़ जवाब दिया है। एक्ट्रेस ने अपने इंस्टा स्टोरी में पोस्ट शेयर कर ट्रोलर्स को खरी-खोटी सुनाई है।

प्रिया आहूजा ने लिखा, बस आपको यह बताने के लिए कि आप सभी मेरे बारे में क्या सोचते हैं, इसका मुझ पर कोई असर नहीं पड़ता है। आप में से कई लोगों ने कमेंट में मालव का जिक्र किया है कि कैसी पत्नी है मैं हूं और जो कुछ भी है वह मुझे कैसे पहनने की अनुमति दे सकता है। साथ ही आप में से कुछ ने अरदास के बारे में कुछ बातें कही जैसे कि वह एक मां के रूप में मेरे बारे में क्या सोचेंगे या मैं उन्हें एक मां के रूप में क्या सिखाऊंगी, तो मालव और अरदास को ही रहने दें तय करें कि मैं किस तरह की पत्नी और मां हूं।

केबीसी को रिप्लेस करेगा शार्क टैंक इंडिया-2, दो जनवरी को होगा ऑनएयर

बहुप्रतीक्षित शो शार्क टैंक इंडिया 2 के प्रीमियर डेट की घोषणा हो चुकी है। इसके साथ ही मास्टरशेफ इंडिया 7 को भी लॉन्च की तारीख मिल गई है। दोनों रियलिटी शो 2 जनवरी को सोनी टीवी पर लॉन्च होंगे। शार्क टैंक इंडिया महानायक अमिताभ बच्चन के क्विज शो कौन बनेगा करोड़पति 14 की जगह लेगा, जबकि मास्टरशेफ रात 9 बजे प्रसारित होगा। वहीं शार्क टैंक इंडिया 2 वीकेंड पर रात 10 बजे प्रसारित होगा। शो का नया प्रोमो जारी किया गया है।

शार्क टैंक इंडिया 2 का नया प्रोमो जारी

रविवार को शार्क टैंक इंडिया 2 के निर्माताओं ने आगामी सीज़न का लेटेस्ट प्रोमो जारी किया। वीडियो में एक चिंतित मां अपने बेटे को नौकरी दिलाने के लिए कहती है नहीं तो वह माली बन जाएगा। माली, जो पास के काम में व्यस्त है, वही सुनता है और व्यंग्यात्मक ढंग से अपनी राजस्व संख्या साझा करता है। वह उन्हें हैरान कर देता है जब वह बताता है कि कैसे बागवानी व्यवसाय अब लगभग 2000 करोड़ रुपये के करीब है। इसके बाद माली, शार्क टैंक इंडिया के मंच पर देखा जाता है क्योंकि वह अपने मॉडल को स्टार उद्यमियों के सामने पेश करता है।

इस सीज़न में अनुपम मित्तल (शादी.कॉम, अमन गुप्ता (बोट), नमिता थापर (एमक्योर फार्मास्यूटिकल्स), विनीता सिंह (चीनी), पीयूष बंसल (लेंसकार्ट) शार्क के रूप में नजर आएंगे। टीम अमित जैन (कारदेखो) का पहली बार शार्क के रूप में स्वागत करेगी। हालांकि इस बार फैंस अशनीर ग्रोवर और ग़ज़ल अलघ को मिस करेंगे।

सई के घर पहुंचा विराट, पाखी को हुई टेंशन

गुम हैं किसी के प्यार में

स्टार प्लस का शो गुम है किसी के प्यार में आने वाले एपिसोड में कुछ रोमांचक होने वाला है। अपकमिंग एपिसोड में फुल ऑन ड्रामा और दिलचस्प ट्विस्ट और टर्न आने वाला है। विराट, सई के घर सवी के प्रोजेक्ट के लिए जाता है। इस बात से पाखी काफी परेशान है और वो नहीं चाहती कि वो उसके घर जाए। गुम है किसी के प्यार में का सोमवार का एपिसोड काफी मजेदार होने वाला है। विराट अपने बेटे विनायक के साथ सई के घर जाता है। सवी दोनों का स्वागत करती है और फिर सबके बीच पानीपुरी खाने का प्रतियोगिता होता है। इस दौरान सई और विराट को पुरानी बातें याद आती है जब वो सई को लेकर एक मेले में गया था।

दूसरी तरफ पाखी ये सोचकर परेशान हो जाता है कि विराट और विनायक, सई के घर पर है। वो अपना काम जल्दी से जल्दी खत्म करके वहां पहुंचना चाहती है। उसे लगता है कि पता नहीं विराट वहां क्या कर रहा होगा। पाखी बिना पढ़ें एग्रीमेंट साइन कर देती है। हालांकि मोहित उसे समझाने और पेपर्स पढ़ने के लिए कहता है, लेकिन वो डील फाइनल कर देती है।

पाखी, विनायक को कॉल करके पूछती है कि उसने खाना खाया या नहीं। बातों ही बातों में उसे पता चलता है कि वो वहां खूब मस्ती कर रहा है। वहीं, विराट और सई मिलकर दोनों का प्रोजेक्ट पूरा कर लेते हैं। वहीं, चव्हाण निवास में भवानी और सारे परिवार के लोग विराट को लेकर परेशान हो जाते हैं। वो उसके घर लौटने का इंतजार करते हैं। काकू नाराज होती है कि पता नहीं वो कहां है और उसपर गुस्सा दिखाती है। अश्विनी और निनाद काकू की सारें बातें सुनते हैं।

अब तक आपने देखा गुम है किसी के प्यार में देखा कि सवी और विनायक स्कूल से आते हैं और उनलोगों को बताते है कि वो दोनों प्रोजेक्ट पार्टनर है। पाखी कहती हैं कि वो उनकी मदद करेगी प्रोजेक्ट बनाने में। सई प्रोजेक्ट के लिए चव्हाण निवास आने से मना कर देती है और उन्हें अपने घर आने के लिए कहती है। विराट इसके लिए मान जाता है। पाखी विराट के फैसले से चौंक जाती है।

बिग बॉस 16: मजबूत कंटेस्टेंट ने दिल खोलकर बहाए आंसू

बिग बॉस 16, टेलीविज़न के सबसे कंट्रोवर्सियल और लोकप्रिय शो में से एक है। शो जब से शुरू हुआ है, तब से हर दिन टीवी से लेकर सोशल मीडिया तक ट्रेंडिंग में शामिल रहा है। बिग बॉस 16 को शुरू हुए पूरे 9 हफ्तों का समय बीत गया है। घर के अंदर मौजूद सभी 12 कंटेस्टेंट इतने लंबे समय से अपने घरवालों से न बात की है ना ही मुलाकात की है। इसलिए बिग बॉस सभी घरवालों के लिए बड़ा ही खास तोहफा लेकर आए हैं। शो का आने वाला एपिसोड बड़ा ही इमोशनल होने वाला है, जिसे देखकर आप शायद रोने लगे। बिग बॉस 16 के वीकेंड का वार एपिसोड का नया प्रोमो रिलीज कर दिया गया है। इस प्रोमो में दर्शक घर के सदस्यों को अपने दिल की बात कहते देख सकते हैं। शो का मजबूत से मजबूत कंटेस्टेंट प्रोमो में रोता हुआ नजर आ रहा है।

बिग बॉस 16 के बीते नौ हफ्तों में घर में बहुत सी लड़ाईयां देखने को मिली। इन लड़ाइयों ने सभी घरवालों को प्रभावित किया और सभी ने इस समय के दौरान बहुत से उतार-चढाव का सामना किया है। इसलिए बिग बॉस ने घर के सभी सदस्यों को अपने दिल को हल्का करने का एक मौका दिया है। जैसा कि प्रोमो में देखा जा सकता है, बिग बॉस घरवालों से कहते नजर आ रहे हैं कि 9 हफ्ते बीत गए हैं अपनों से दूर। यहाँ आप में से कई लोग अपने दिलों में एक तड़प सी लिए बैठे हैं। सभी दुखो का इलाज तो दुनिया में किसी के पास भी मौजूद नहीं है। लेकिन कुछ बातें होती हैं, जिनको कर के दिल थोड़ा हल्का हो जाता है। चलिए मेरे साथ कुछ दिल की बाते करेंगे।

बिग बॉस की बात के बाद प्रोमो में प्रियंका, शिव और अर्चना को अपनी दिल की बाते करते देखा जा सकता है। जहाँ प्रियंका, अंकित को लेकर अपने दिल की उलझन बिग बॉस के साथ साँझा करती नजर आ रही हैं। वहीं शिव कह रहे हैं कि सबको लगता है कि वह दिमाग से खेलते हैं, लेकिन उनके घरवालों को पता है कि वह अपने दिल की सुनते हैं। प्रियंका और शिव इस दौरान भावुक होकर रोते नजर आएं। अर्चना भी अपने दिल के हाल बायां करती दिखाई दी। उन्होंने रोते हुए कहा कि वह कभी ऐसी नहीं थी, किसी को इतना गन्दा नहीं बोलती थी, लेकिन यहां इन मनहूस लोगों की वजह से वह कैसी हो गयी है उन्हें खुद को नहीं पता।

कपिल शर्मा की बात सुनकर खूब हंसने लगीं काजोल

द कपिल शर्मा शो के ताजा शो में काजोल, रेवती और विशाल जेठवा अपनी फिल्म सलाम वेंकी के प्रमोशन के लिए आईं। इस दौरान कपिल उनके साथ खूब मस्ती करते दिखे। सुमोना शो में कपिल की पत्नी का रोल निभाती है। इस दौरान कपिल, एक्ट्रेस से पूछते हैं कि, अजय सर कमाल के डायरेक्टर हैं, आपका मन है डायरेक्शन करने का। इसपर एक्ट्रेस कहती हैं, बिल्कुल नहीं। कॉमेडी किंग इसपर कहते हैं, जरूरत भी नहीं है। जो लेडी अपने घर में रोज अजय देवगन को डायरेक्ट करती है। इसे सुनकर एक्ट्रेस खूब हंसने लगती है। बता दें कि फिल्म सलाम वेंकी 9 दिसंबर को सिनेमाघरों में रिलीज होगी।

'लाइव कंसर्ट' अच्छा संगीत देने का जरिया : शंकर महादेवन

गायक और संगीतकार शंकर महादेवन का मानना है कि मंच पर सार्वजनिक प्रस्तुति की परंपरा लोगों को बेहतर संगीत उपलब्ध कराने का माध्यम है। 'शंकर महादेवन लाइव इन कंसर्ट' शीर्षक से तीन दिसंबर को षण्मुखानंद हॉल में आयोजित होने वाले कार्यक्रम में महादेवन ने प्रस्तुति दी। महादेवन ने साक्षात्कार में कहा, ''पहले के दिनों में जब कलाकार सभागार में प्रस्तुति देते थे, तब लोग संगीत को सुनने के लिए टिकटें खरीदते थे। हम उस नियमित प्रस्तुति की परंपरा को कायम रखना चाहते हैं।

दिसंबर में दर्शकों के लिए एमएक्स प्लेयर पर विदेशी शो की भरमार

ओटीटी

साल का अंत आ गया है, और इसका मतलब है ज्यादातर शानदार यात्राएं और शानदार मौसम। इसको और भी खास बनाने के लिए, प्रमुख मनोरंजन सुपर ऐप एमएक्स प्लेयर विदेशी शो के अपने स्लेट के साथ कुछ बेहतरीन बिंज- वर्थी अंतरराष्ट्रीय शो जारी कर रहा है। आइए जानते हैं इसके बारे में-

हॉट स्टोव लीग - 7 दिसंबर

पुरस्कार विजेता शो ड्रीम्स नाम की एक बेसबॉल टीम पर आधारित है, जो लगातार चार वर्षों से लीग में सबसे कमजोर रही है, जिसके परिणामस्वरूप उनके वर्तमान प्रबंधक को इस्तीफा देना पड़ता है।टीम एक नए महाप्रबंधक सेउंग सु को नियुक्त करती है, जिसे बेसबॉल में कोई अनुभव नहीं है। क्या वह उन्हें चैंपियनशिप तक ले जा पाएगा? पता लगाने के लिए ट्यून इन करें। शो के सभी 16 एपिसोडएमएक्स प्लेयर पर 7 दिसंबर से हिंदी, तमिल, तेलुगु, मराठी, बंगाली, कन्नड़, मलयालम में भी उपलब्ध होंगे।

वॉरियर हंट - 10 दिसंबर

कुमाइट 1 वारियर हंट मिक्स्ड मार्शल आर्ट्स पर आधारित भारत की पहली रियलिटी सीरीज़ है।यह अत्यधिक प्रतिस्पर्धी मुकाबला खेल है जो दिमाग और शरीर दोनों पर मजबूत पकड़ की मांग करता है। इस एमएक्स स्टूडियो ओरिजिनल को एमएमए प्रशंसक सुनील शेट्टी द्वारा होस्ट किया जाएगा, और इसमें भारत के 16 सर्वश्रेष्ठ पुरुष और महिला एमएमए चैंपियन रिंग में एक-दूसरे से भिड़ेंगे - सभी देश के परम कुमाइट 1 योद्धा बनने के लिए प्रतिस्पर्धा कर रहे हैं। 10 दिसंबर, 2022 से एमएक्स प्लेयर पर कुमिते 1 वॉरियर हंट स्ट्रीम करें।

लव स्क्रिप्ट - 10 दिसंबर

जुआन वेन अपनी सभी रोजमर्रा की जिम्मेदारियों को छोड़ देता है और अपने व्यवसाय का प्रबंधन दूसरों को सौंप देता है ताकि वह अपने लिए एक महल बनाने और अपने संपन्न साम्राज्य को चलाने पर ध्यान केंद्रित कर सके। उनके करीबी लोग उनकी ओर से विशेषज्ञ सहायता लेते हैं, क्योंकि उनके पास विकल्प समाप्त हो गए हैं, लेकिन फिर अपने साथी की देखभाल लुओ काई हुई को सौंपते हैं, एक मानसिक स्वास्थ्य पेशेवर जिसकी नकदी

की सख्त जरूरत उसे जुआन वेन के अजीबोगरीब मामले को लेने के लिए प्रेरित करती है। मंदारिन नाटक के सभी 24 एपिसोड अब 10 दिसंबर को हिंदी में उपलब्ध होंगे।

डांस ऑफ़ द स्काई इम्पायर - 14 दिसंबर

कहानी एक ऐसे युग में समृद्ध तांग राजवंश की पृष्ठभूमि के खिलाफ है जहां मनुष्य और राक्षस सह-अस्तित्व में थे। ली जुआन, एक मानव और दानव संकर का आगमन, राजवंश की नाजुक शांति को भंग कर देता है। आगे क्या होता है? यह जानने के लिए शो देखें, जो अब 14 दिसंबर से हिंदी में उपलब्ध है।

हियर टू हार्ट - 17 दिसंबर

कभी न खत्म होने वाले प्यार की कहानी के साथ मंदारिन ड्रामा निश्चित रूप से आपका दिल जीत लेगा। कहानी एक युवा जोड़े की है जो एक पारिवारिक त्रासदी के कारण अलग हो गए थे। लेकिन एक दुखद ब्रेक-अप भी इस युवा, अपरिपक्व, लेकिन गहन प्रेम को नहीं बदल सकता। नए साथी मिलने के बाद भी दोनों अपने घायल दिलों को ठीक नहीं कर सके। क्या वे एक दूसरे को वापस लुभाने का फैसला करेंगे? जानने के लिए एमएक्स प्लेयर पर स्ट्रीमिंग के सभी एपिसोड देखें। सभी एपिसोड 17 दिसंबर से हिंदी में उपलब्ध हैं।

डोन्ट डेयर टू ड्रीम - 21 दिसंबर

इस नाटक में रोमांस के साथ-साथ एक टेलीविजन समाचार चैनल के लिए एक साथ काम करने वाले एक एंकर और एक मौसम फोरकास्टर के बीच इंटेंस राइवलरी को दर्शाया गया है। यह सीरीज करियर,परिवार, प्यार और ईर्ष्या पर आधारित है - जो इसे एक भरोसेमंद और आकर्षक शो बनाता है। इस आकर्षक कोरियाई सीरीज़ के सभी 24 एपिसोड देखें जो 21 दिसंबर को हिंदी में उपलब्ध होंगे।

माय अनफॉरचुनेट बॉयफ्रेंड - 24 दिसंबर

यू जी ना एक युवा पेशेवर हैं, जिन्हें अपनी इच्छा पूरी करने के लिए झूठ बोलने में कोई समस्या नहीं है। वह गलती से यूं ताए वून के प्यार में गिरने लगती है । उनका खिलता हुआ रोमांस जी ना केप्रतिस्पर्धी कॉर्पोरेट रोजगार के लिए बोझ बन जाता है। क्या प्रेमी एक दूसरे के प्रति अपनी कमिटमेंट बनाए रखने में सफल होंगे? नाटक प्रदर्शित करेगा कि क्या उनका असंभावित रोमांस सच्चा प्यार बन जाता है। जानने के लिए कोरियन सीरीज के सभी 16 एपिसोड देखें। 24 दिसंबर से हिंदी में एपिसोड उपलब्ध।

ए लव टू लास्ट - 28 दिसंबर

एंडेंग और एंटोन पर कथानक केंद्र, दो अलग-अलग पात्र जो यह परीक्षण करेंगे कि दो क्षतिग्रस्त दिल उनके रोमांस को फिर से जगा सकते हैं या नहीं। फ़िलिपीनो ड्रामा निश्चित रूप से आपको कथानक में बांधे रखेगा/निवेशित करेगा जिससे आप हर सप्ताह और अधिक की चाहत छोड़ेंगे। 28 दिसंबर सेएमएक्स प्लेयर पर हिंदी में शो देखें।

द वन एंड ओनली - 31 दिसंबर

द वन एंड ओनली एक रोमांस ड्रामा है जिसमें तीन गंभीर रूप से बीमार महिलाओं के जीवन को दिखाया गया है जो एक धर्मशाला में मिलती हैं। वे तय करते हैं कि मरने से पहले, वे जाने से पहले एक बुरे आदमी को नीचे ले जाना चाहते हैं - और ऐसा करने के अपने प्रयास में, उनमें से एक अपने जीवन के सबसे मूल्यवान व्यक्ति से मिलता है। आगे क्या होता है यह जानने के लिए देखते रहें क्योंकि सभी 16 एपिसोड 31 दिसंबर को हिंदी में उपलब्ध होंगे।

स्वामी, प्रकाशक, मुद्रक अशोक कुमार द्वारा राज तरूण आफसेट, एलजीएफ 5-14, अंसल सिटी सेंटर, निकट यूपी प्रेस क्लब, हजरतगंज, लखनऊ से मुद्रित तथा ग्राम भुसना, पोस्ट भुसना, तहसील महमूदाबाद जनपद सीतापुर (उ0प्र0) से प्रकाशित। **सम्पादक : अशोक कुमार (मो. 9651086162) उप सम्पादक : प्रमोद कुमार शुक्ल (मो. 9450497420)**। इस अंक में प्रकाशित समस्त समाचारों के चयन एवं सम्पादन हेतु पी.आर.वी. एक्ट के अंतर्गत उत्तरदायी तथा इनसे उत्पन्न सभी विवाद सीतापुर न्यायालय के आधीन होंगे।